आरएनआई - एमपीएचआईएन/2021/81650

इंदौर, सोमवार 13 अप्रैल 2026

■ वर्ष : 5 ■ अंक : 142

■ पृष्ठ : 6 ■ मूल्य : 2

dainikindoresanket.com
dainikindoresanket
dainikindoresanket
dainikindoresanket24@gmail.com

सांध्य दैनिक

इंदौर संकेत

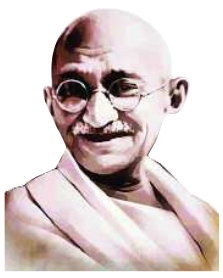

राष्ट्रपिता को नमन...

सुरों की अंतिम गूंज नहीं, अमर धरोहर

अक्षय की बात अपनों के साथ

भारतीय संगीत जगत के लिए यह क्षण सिर्फ एक खबर नहीं, बल्कि एक युग के अंत का एहसास है। आशा भोसले के निधन की खबर ने करोड़ों दिलों को भीतर तक झकझोर दिया है। यह सिर्फ एक महान गायिका की विदाई नहीं, बल्कि उन अनगिनत भावनाओं की विदाई है, जिन्हें उनकी आवाज़ ने दशकों तक जीवित रखा।

हिंदी सिनेमा के स्वर्णिम दौर से लेकर आधुनिक संगीत तक, उन्होंने अपनी कला का परचम लहराया। हजारों गीतों की उनकी विरासत सिर्फ संख्या नहीं, बल्कि हर गीत एक कहानी है- एक एहसास है, एक याद है।

उनके गए हुए गीतों- **'चुरा लिया है तुमने जो दिल को, दम मारो दम, पिया तू अब तो आजा, दिल चीज क्या है, ये मेरा दिल प्यार का दीवाना, इन आँखों की मस्ती'** आज भी लोगों को ताजगी से भिगो देते है।

उनकी सबसे बड़ी ताकत थी- समय के साथ बदलने की क्षमता। जब संगीत की धारा बदली, तब भी आशा जी की आवाज़ उतनी ही ताज़ा, उतनी ही प्रभावी बनी रही। उनके गीतों में सिर्फ सुर नहीं थे, बल्कि जीवन की सच्चाई थी। उन्होंने दर्द को भी गाया, और जश्न को भी। उनकी आवाज़ में वो गहराई थी, जो सीधे आत्मा को छू लेती थी। हर वो गीत, जो उन्होंने गाया, आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा बना रहेगा। वो सिर्फ एक कलाकार नहीं थीं- वो एक संस्था थीं, एक स्कूल थीं, एक एहसास थीं। उनकी आवाज़ अब खामोश भले हो गई हो, लेकिन उनके सुर हमेशा गूंजते रहेंगे। आशा भोंसले का जाना एक अपूरणीय क्षति है, लेकिन उनकी विरासत इतनी विशाल है कि वह समय के हर पड़ाव पर हमें उनका एहसास कराती रहेगी।

वो गई नहीं हैं... वो हर उस धुन में ज़िंदा हैं, जिसे हम महसूस करते हैं।

प्रदेश में शानदार काम वालों को जमीनी पोस्टिंग से हटाया

ब्यूरोक्रेसी का नया ट्रेंड : जिलो में कमजोर रिपोर्ट कार्ड के बाद भी बरकरार रही कलेक्टरी

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल ● मध्य प्रदेश में 26 आईएएस का ट्रांसफर चर्चा में है। प्रशासनिक गलियारों में चर्चा और विवाद छिड़ा हुआ है। प्रशासन में सुधार और जवाबदेही तय करने के दावों के बीच जारी हुई नई तबादला सूची ने 'परफॉर्मेंस आधारित पदस्थापना' की नीति पर ही सवालिया निशान लगा दिए हैं। सूत्रों द्वारा मिली जानकारी में एक चौंकाने वाली हकीकत सामने आई है कि पिछले जिलों में राजस्व वसूली और लोक सेवा के महत्वपूर्ण कार्यों में फिसड्डी साबित होने वाले छह आईएएस अधिकारियों को हटाकर दोबारा कलेक्टरी जैसी बड़ी जिम्मेदारी सौंपी गई है।

कई की गई कलेक्टरी-मंडला (37% राजस्व) के सोमेश मिश्रा को नर्मदापुरम और बैतूल (46% राजस्व) के नरेंद्र सूर्यवंशी को रीवा की कलेक्टरी मिलना प्रशासनिक मानकों के विपरीत नजर आता है। श्योपुर में राजस्व लक्ष्य 71 प्रतिशत होने के बावजूद अर्पित वर्मा को शिवपुरी भेजा गया है, जबकि कई बेहतर काम करने वाले अधिकारियों को कलेक्टरी से हाथ धोना पड़ा है।

सफल जिलों से छीनी कलेक्टरी-एक तरफ सरकार खराब प्रदर्शन वालों को इनाम दे रही है, वहीं दूसरी तरफ नर्मदापुरम जैसे जिले, जहां राजस्व प्राप्ति 76 प्रतिशत थी और नल-जल योजना का संचालन 95 प्रतिशत से अधिक था, वहां की कलेक्टर सोनिया मीणा में बदलाव कर दिया गया। हटाए गए जिलों का डेटा बताता है कि वहां के अधिकारियों ने पुरस्कृत किए गए अधिकारियों की तुलना में अधिक मुस्तैदी से काम किया था।

अधिकारियों के बीच गलत संदेश- सूत्रों के अनुसार इस तरह के फैसलों से अधिकारियों के बीच यह संदेश जाएगा कि काम की गुणवत्ता से ज्यादा अन्य कारक तबादलों को प्रभावित करते हैं। पूर्व में मुख्यमंत्री और मुख्य सचिव द्वारा काम के आधार पर जिम्मेदारियां तय करने के संकेतों के उलट यह सूची प्रशासनिक दक्षता को कमजोर कर सकती है। खाद वितरण, नामांतरण-बंटवारा और जल गंगा संवर्धन जैसे अभियानों में पिछड़ने वाले जिलों के नेतृत्व को मिली नई ताकत परफॉर्मेंस मॉनिटरिंग प्रणाली पर भी सवाल करती है।

खराब स्थिति वाले कलेक्टरों को इनाम

तबादला सूची का सबसे हैरान करने वाला पहलू यह है कि जिन जिलों में कामकाज की स्थिति बेहद खराब थी, वहां के कलेक्टरों को पुरस्कृत कर बड़े जिलों की कमान दी गई है। उदाहरण के तौर पर धार में राजस्व प्राप्ति लक्ष्य के मुकाबले मात्र 39 प्रतिशत रही और नामांतरण के 3377 मामले पेंडिंग थे। इसके बावजूद वहां के तत्कालीन कलेक्टर प्रियंक मिश्रा को राजधानी भोपाल की जिम्मेदारी दी गई है। इसी तरह रीवा की कमान संभालने वाली प्रतिभा पाल के समय राजस्व वसूली केवल 59 प्रतिशत रही और नामांतरण के करीब 4000 मामले लंबित थे, जिन्हें अब सागर जैसे महत्वपूर्ण जिले का कलेक्टर बनाया गया है।

किताबों के खेल में 'बड़ी मछलियां' बेखौफ

कार्रवाई सिर्फ छोटे कारोबारियों तक सीमित

आशीष गुप्ता : 9425064357

इंदौर ● दैनिक इंदौर संकेत

नए शैक्षणिक सत्र से पहले किताबों के चयन और बिक्री में चल रहे कथित 'कमीशन खेल' पर प्रशासन और शिक्षा विभाग की सक्रियता के बावजूद अब सवाल उठने लगे हैं कि कार्रवाई आखिर केवल छोटे स्तर तक ही क्यों सिमट कर रह गई है। शहर में लंबे समय से सक्रिय बड़े बुक विक्रेताओं और नेटवर्क पर अब तक कोई ठोस कार्रवाई नजर नहीं आ रही।

सूत्रों और अभिभावकों के बीच चर्चा में कुछ बड़े नाम बार-बार सामने आ रहे हैं, जिनमें भैया स्टोर्स, इंदौर बुक डिपो, अमित बुक सेंटर, सरस्वती बुक डिपो, अग्रवाल बुक स्टोर, गौरव बुक सेंटर प्रमुख बताए जा रहे हैं। आरोप है कि इन प्रतिष्ठानों के जरिए स्कूलों और पब्लिशर्स के बीच किताबों की सप्लाई और चयन का बड़ा हिस्सा नियंत्रित होता है। बताया जाता है कि स्कूल संचालकों और पब्लिशर्स के बीच तय 'कमीशन मॉडल' के तहत उन्हीं किताबों को सूची में शामिल किया जाता है, जिन पर अधिक मार्जिन मिलता है। इसके बाद इन किताबों को चुनिंदा दुकानों पर ही उपलब्ध कराया जाता है, जिससे अभिभावकों के पास विकल्प सीमित हो जाते हैं और उन्हें तय कीमत पर ही खरीदारी करनी पड़ती है।

हालांकि प्रशासनिक टीमों ने कुछ स्थानों पर दबिश देकर कार्रवाई की है, लेकिन ये कार्रवाई अधिकतर छोटे दुकानदारों या सीमित स्तर के मामलों तक ही सिमट कर रह गई है। बड़े नामों तक जांच का दायरा नहीं पहुंचना कई सवाल खड़े कर रहा है। अभिभावकों का कहना है कि यदि वास्तव में इस 'किताब कारोबार' में पारदर्शिता लानी है, तो प्रशासन को बड़े नेटवर्क और प्रभावशाली खिलाड़ियों पर भी सख्त कदम उठाने होंगे। केवल औपचारिक कार्रवाई से न तो यह सिस्टम बदलेगा और न ही आम जनता को राहत मिलेगी। फिलहाल, शहर में यह चर्चा तेज है कि क्या प्रशासन 'बड़ी मछलियों' पर हाथ डालेगा या फिर हर बार की तरह छोटे कारोबारियों पर कार्रवाई कर अपनी जिम्मेदारी पूरी मान लेगा।

किताबों के नाम पर 'कमीशन का खेल'

गौरतलब है कि नए शैक्षणिक सत्र के शुरू होने से पहले ही शहर के निजी स्कूलों में किताबों के चयन को लेकर अंदरखाने एक बड़ा खेल शुरू हो जाता है। स्कूल संचालक, पब्लिशर और चुनिंदा दुकानदारों के बीच ऐसी सेटिंग बन रही है, जिसमें शिक्षा कम और कमीशन का गणित ज्यादा हावी नजर आता है। सूत्रों के अनुसार, कई स्कूल संचालक किताबों के चयन के लिए पब्लिशर्स के सामने प्रिंट रेट पर मोटे कमीशन की शर्त रखते हैं। जो पब्लिशर इस मांग को पूरा करता है, उसी की किताबें स्कूल की सूची में शामिल कर ली जाती हैं। इस प्रक्रिया में गुणवत्ता और विद्यार्थियों की जरूरतें पीछे छूट जाती हैं, जबकि प्राथमिकता केवल 'मुनाफे' को दी जाती है।

यही नहीं, किताबों की बिक्री के लिए भी पहले से तय दुकानों को ही अधिकृत किया जाता है। इन दुकानों का चयन भी पारदर्शी प्रक्रिया से नहीं, बल्कि 'आपसी सेटिंग' के आधार पर होता है। अभिभावकों को मजबूरी में इन्हीं दुकानों से महंगी किताबें खरीदनी पड़ती हैं, जहां उन्हें न तो छूट मिलती है और न ही विकल्प।

इस पूरे खेल में सबसे अहम बात यह है कि स्कूल संचालकों को सीधे तौर पर पब्लिशर्स से कमीशन मिलता है, जो प्रिंट रेट में ही जोड़ दिया जाता है। यानी अंततः इसका भार अभिभावकों की जेब पर पड़ता है। प्रशासन और शिक्षा विभाग द्वारा समय-समय पर जारी निर्देशों के बावजूद इन पर अमल होता नजर नहीं आता। नियमों के अनुसार स्कूल किसी विशेष दुकान से किताबें खरीदने के लिए बाध्य नहीं कर सकते, लेकिन हकीकत इससे बिल्कुल उलट है।

अमेरिका आज से होर्मुज स्ट्रेट पर नाकेबंदी करेगा

कच्चे तेल की कीमतें फिर 100 डॉलर पार

तेल अवीव/वॉशिंगटन (एजेंसी) ● अमेरिका आज से होर्मुज स्ट्रेट पर नाकेबंदी लागू करने जा रहा है। अमेरिकी सेंट्रल कमांड के मुताबिक, भारतीय समयानुसार शाम 7:30 बजे से ईरान के बंदरगाहों की ओर आने-जाने वाले जहाजों को रोका जाएगा।

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा कि नाकेबंदी का मकसद ईरान की तेल बिक्री रोकना है। ट्रम्प के मुताबिक, कई अन्य देश भी इस प्रयास में अमेरिका का साथ दे रहे हैं। ट्रम्प ने दावा किया है कि ईरान की सैन्य ताकत को भारी नुकसान हुआ है और उसकी नौसेना लगभग खत्म हो चुकी है। उन्होंने कहा कि 158 जहाज तबाह किए जा चुके हैं। नाकेबंदी के ऐलान के बाद वैश्विक तेल कीमतों में तेज उछाल आया है। वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट 104 डॉलर प्रति बैरल और ब्रेंट क्रूड 102 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच गया है। इस बीच वॉल स्ट्रीट जर्नल की रिपोर्ट में कहा गया है कि पाकिस्तान में हुई वार्ता के विफल होने के बाद अमेरिका ईरान पर दोबारा सैन्य हमले करने पर भी विचार कर रहा है। व्हाइट हाउस ने साफ किया है कि सभी विकल्प खुले हैं और हालात के हिसाब से आगे का फैसला लिया जाएगा।

ट्रम्प ने कहा कि अमेरिकी नौसेना होर्मुज स्ट्रेट में नाकाबंदी करेगी और ईरान को टोल देने वाले जहाजों को भी रास्ते में रोक लिया जाएगा। इजराइल के मंत्री बेन गविर के अल अक्सा मस्जिद दौरे पर जॉर्डन ने विरोध जताया और इसे भड़काऊ कदम बताते हुए धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाला कहा।

सालों से जमे तहसीलदारों को बदला, एसडीएम भी बदले

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● जिला प्रशासन में बड़ा प्रशासनिक बदलाव हो गया है। इंदौर कलेक्टर शिवम वर्मा ने एसडीएम और तहसीलदार स्तर पर बदलाव किए हैं। इसमें खासकर तहसीलदारों में बड़े बदलाव हुए हैं और जमे हुए अधिकारियों को इधर से उधर किया गया है। कनाडिया तहसील से ओमनारायण सिंह बड़कुल को हटाया गया और उनकी जगह संयुक्त कलेक्टर दीपक चौहान को एसडीएम बनाया गया। इसी तरह खुडैल तहसील से नीरज खरे को हटाया गया है और प्रभारी डिप्टी कलेक्टर प्रियंका चौरसिया को एसडीएम बनाया गया। बड़कुल को अब भू अर्जन शाखा, लोक परिसंपत्ति शाखा का प्रभारी बनाया गया। वहीं खरे को लोकसेवा गारंटी व अन्य शाखाएं दी गई है।

शिकायत वाले अधिकारी गए लूपलाइन में-तहसील स्तर पर कलेक्टर शिवम वर्मा ने भारी सख्ती दिखाई है। इसमें जिनकी शिकायतें थी, उन्हें राजस्व कोर्ट से हटाकर प्रोटोकॉल अधिकारी बनाया है। जैसे हाल ही में राऊ से याचना दीक्षित को हटाया था, इसी तरह खुड़ैल से दयाराम निगम को हटाया था। कुछ माह पहले नागेंद्र त्रिपाठी को मल्हारगंज से हटाया था। इन सभी को राजस्व कोर्ट की अहम जिम्मेदारी नहीं देकर प्रोटोकॉल में रखा गया है।

सभी 10 बजे से कोर्ट संभाले-कलेक्टर ने इसके साथ ही सख्त आदेश दिए हैं कि सभी तहसील जिन्हें राजस्व न्यायालय की जिम्मेदारी दी गई है, वे सुबह 10 बजे से आफिस पहुंचे। शाम 6 बजे तक राजस्व कोर्ट का काम नियमित चलेगा। सभी आरसीएम के जरिए ई पंचिंग कर उपस्थिति दर्शाएंगे। अभी देखा गया है कि बाबू के जरिए ही तहसीलदार पंचिंग कर देते हैं और आराम से दोपहर बाद पहुंचते हैं।

इन्हें भी यहां किया-इसके साथ आदेश में है कि प्रभारी नायब तहसीलदार चौखालाल टांक को सांवेर में पदस्थ किया जाता है। देवेंद्र कछावा प्रभारी तहसीलदार को महू में प्रोटोकॉल अधिकारी के रूप में पदस्थ किया जाता है। शैवाल सिंह एमआईडीसी में संलग्न है। संजय यादव प्रभारी तहसीलदार को भू अभिलेख शाखा में और प्रियंका बघेल को चुनाव कार्यालय में किया गया है।

मिलीभगत अवैध खनन की कार्यवाही में अधिकारियों की लीपापोती

खनिज विभाग की लापरवाही से ठेकेदार के हौसले बुलंद

निलेश चौहान : 94250-77209

देपालपुर ● दैनिक इंदौर संकेत

मामला इंगोरिया देपालपुर रोड के निर्माण का जिसका कार्य जैनको इंटरप्राइजेज द्वारा किया जा रहा, इस रोड पर लगने वाली मिट्टी का अवैध खनन गोकलपुर और मेंढकवास में किया गया, जिसके शिकायत नायब तहसीलदार नागेंद्र त्रिपाठी और खनिज विभाग के अधिकारी आलोक अग्रवाल के समक्ष की गई। लेकिन खनिज विभाग के अधिकारी मौके पर नहीं पहुंचे, नायब तहसीलदार ने कार्यवाही कर डंपर और पोकलेन मशीन जप्त कर खड़ी करवा दी, लेकिन ठेकेदार ने अपना रसूख दिखाकर खड़े डंपर और पोकलेन मशीन गायब करवा दी, जिसमें ठेकेदार पर लूट और चोरी के आरोप भी लगाए गए थे, लेकिन ठेकेदार ने मामले में सेटिंग जमा कर वापस गोकलपुर तालाब में खुदाई का काम शुरू कर दिया,

नियम कहता है ग्राम पंचायत से 3 फीट खुदाई की परमिशन दी जाती है, लेकिन अवैध खनन माफिया इसका दुरुपयोग कर धरती को छलनी करने का काम करते हैं। पश्चिमी रिंग रोड के लिए भी इसी प्रकार गांव गांव में अवैध मिट्टी का खनन कर मिट्टी निकालने का काम चल रहा है।

जिसकी भनक गांववालों को लगी तो उन्होंने मौके पर पहुंचकर काम रुकवाया। ठेकेदार को अनुमति दिखाने का कहा लेकिन मौके पर ठेकेदार अनुमति नहीं दिखा पाया और ग्रामीणों को अपना रुबाब दिखाने लगा ठेकेदार ने दो पोकलेन मशीन से लगभग 10 डंपर मिट्टी का खनन कर लिया और मिट्टी ले जाने का प्रयास किया गया गांववालों के विरोध के बाद दोनों पोकलेन मशीनों को बाहर खड़ा किया गया। गांववालों ने जिम्मेदार अधिकारियों पर गंभीर आरोप लगाए।

जिम्मेदार बने अंजान

खनिज विभाग के अधिकारी आलोक अग्रवाल सवालों के घेरे में है शिकायत और अवैध खनन की जानकारी होने के बावजूद भी अबतक खनिज विभाग द्वारा कोई कार्यवाही नहीं की गई। कहीं ना कहीं इनकी कार्यप्रणाली संदेह के घेरे में है, लेकिन अब देखना होगा आलोक अग्रवाल अवैध खनन मामले में क्या कार्यवाही करते हैं, देपालपुर एसडीएम प्रदीप सोनी को भी अवैध खनन की जानकारी है वह खुद भी एक दिन मौके पर पहुंचे थे लेकिन उन्होंने इस मामले को गंभीरता से नहीं लिया और दूसरे ही दिन ठेकेदार ने अवैध खनन का काम चालू कर दिया एसडीएम की कार्यशैली से गांववाले खफा है, कलेक्टर के बाद तहसील का जिमा एसडीएम के पास होता है, लेकिन उन्होंने भी अब तक कोई बड़ी कार्यवाही नहीं की।

न्यूज ब्रीफ

सर्वजातीय सामूहिक विवाह सम्मेलन 15 को

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● सर्वजातीय सामुहिक विवाह सम्मेलन आयोजन समिति के दीपेन्द्रसिंह सोलंकी ने बताया कि क्षेत्र क्रमांक 3 के विधायक गोलू शुक्ला द्वारा 15 अप्रैल को शाम 5 बजे गांधी हॉल में निशुल्क सर्वजातीय सामुहिक विवाह सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। आयोजन समिति ने बताया कि विधायक गोलू शुक्ला द्वारा अनूठी पहल की जा रही है, विधानसभा क्षेत्र क्र.3 के निवासी ऐसे माता-पिता जो अपनी कन्या का विवाह करवाने में असमर्थ हैं या आर्थिक रूप से कमजोर है, उन कन्याओं का विवाह सनातनी विधायक गोलू शुक्ला द्वारा करवाया जाएगा। विधायक गोलू शुक्ला ने बताया कि हमने संकल्प लिया था, कि क्षेत्र की विवाह योग्य निर्धन, दिव्यांग और अनाथ कन्याओं का निशुल्क विवाह करवाएंगे, उसी संकल्प को पूरा करने के लिए सनातन हिन्दू समाज सामुहिक विवाह सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है।

कल मुख्यमंत्री मातृशक्ति वंदन सम्मेलन में शामिल होंगे

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● मां देवी अहिल्या मातृ शक्ति मंच की संयोजक रेखा जैन , श्रेष्ठा गोयल, ज्योति जैन, सपना राठौर, शिल्पा ग्रोवर, रजनी भण्डारी, डॉ. माया इंगले, डॉ. निरजा पुराणिक, रीतु ग्रोवर, कविता वाधवानी, संध्या चौकसे, मंजू शाह चौधरी, संगीता उप्पल, कंचन ज्योति दीक्षित, विधायक मालिनी लक्ष्मणसिंह गौड,, अंजू माखीजा, शिवानी अड़सपुरकर, निधि बंग, वृन्दा गौड़ व महिला संगठनों ने संयुक्त पत्रकार-वार्ता में बताया कि देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रति इंदौर की मातृ शक्ति आभार ज्ञापित करती है कि नारी शक्ति अधिनियम के अंतर्गत महिलाओं को लोकसभा, राज्यसभा व विधानसभा में 33 प्रतिशत अतिरिक्त आरक्षण प्रदान किया जायेगा। देश की आधी आबादी को इस कदम से सीधे सामाजिक न्याय मिलेगा।

डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती पर होंगे बूथ स्तर पर आयोजन

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● भाजपा नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा महामंत्री सुधीर कोल्हे, मुकेश कुकरेजा और कैलाश पीपले ने बताया कि 14 अप्रैल को भारत रत्न संविधान निर्माता डॉ बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर जी की जयंती है। उनकी जयंती को भाजपा समरसता दिवस के रूप में बूथ स्तर पर मनाएगी। भाजपा नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा ने बताया कि संविधान के शिल्पकार रहे बाबा साहेब अम्बेडकर को भाजपा समरसता दिवस के रूप में मनाती है। भाजपा की सरकारों एवं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर के पंच तीर्थों को संवारने का काम किया है। कॉंग्रेस लगातार बाबा साहेब का अपमान करती रही है। उनकी जयंती पर भाजपा द्वारा बूथ स्तर पर आयोजन किए जाएंगे।

बारिश से पहले तेज करें काम- आयुक्त सिंघल का सख्त संदेश

बावड़ियों के जीर्णोद्धार और रिवर फ्रंट प्रोजेक्ट का किया निरीक्षण

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● शहर में जल संरक्षण और अधोसंरचना विकास कार्यों को गति देने के उद्देश्य से नगर निगम आयुक्त क्षितिज सिंघल ने आज मुख्यमंत्री अधोसंरचना विकास योजना एवं जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत विभिन्न स्थलों का सघन निरीक्षण किया।

इस दौरान उन्होंने पारंपरिक जल स्त्रोतों कुओं और बावड़ियों के जीर्णोद्धार कार्यों की प्रगति का जायजा लेते हुए अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी कार्य प्राथमिकता के साथ समय-सीमा में पूर्ण किए जाएं।

आयुक्त ने बड़ा गणपति पीलीया खाल के पास स्थित बावड़ी, मल्हारगंज थाने के सामने स्थित बावड़ी और लोखंडे पुल सहित कई स्थानों का दौरा किया।

उन्होंने मौके पर मौजूद अधिकारियों को साफ सफाई, गहरीकरण, मरम्मत और संरचनात्मक मजबूती के कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए, ताकि आगामी वर्षा ऋतु में अधिकतम वर्षा जल संचयन सुनिश्चित किया जा सके और शहर के भू-जल स्तर में सुधार आए।

निरीक्षण के दौरान अपर आयुक्त आशीष पाठक, संबंधित जोनल अधिकारी एवं अन्य विभागीय अधिकारी भी मौजूद रहे। आयुक्त श्री सिंघल ने कहा कि जल गंगा संवर्धन अभियान केवल एक योजना नहीं, बल्कि शहर के भविष्य को सुरक्षित करने का संकल्प है, जिसमें जनभागीदारी और प्रशासनिक प्रतिबद्धता दोनों आवश्यक हैं। इसके पश्चात उन्होंने रामबाग पुल से अहिल्या आश्रम पुल तक प्रस्तावित रिवर फ्रंट डेवलपमेंट कार्य का भी निरीक्षण किया। मुख्यमंत्री अधोसंरचना विकास योजना के अंतर्गत चल रहे इस महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट की समीक्षा करते हुए उन्होंने निर्देश दिए कि बारिश से पहले अधिकतम कार्य पूर्ण कर लिया जाए। साथ ही, रिवर फ्रंट के पूरे क्षेत्र का सीमांकन शीघ्र कराने के निर्देश दिए, ताकि कार्यों में किसी प्रकार की बाधा न आए और परियोजना तय समय सीमा में पूरी हो सके।

विधानसभा 1 के वार्ड 15 को मिली 1 करोड़ के 5 विकास कार्यों की सौगात

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● 12 अप्रैल रविवार को नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय के मार्गदर्शन में पूर्व विधायक आकाश विजयवर्गीय ने विधानसभा 1 के वार्ड 15 में 1 करोड़ के 5 विकास कार्यों का भूमिपूजन एवं लोकार्पण करने के साथ रहवासियों से जनसंवाद किया। इस अवसर पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि जो लोग वंदे मातरम बोलने से इंकार करते हैं ऐसे लोग आंतकी और देशद्रोही मानसिकता के हैं। कांग्रेस की विचारधारा इस तरह की मानसिकता वाले लोगों को बढ़ावा देने का काम करती है। कांग्रेस का हाथ हमेशा देशद्रोहियों के साथ रहा है। उपस्थित जनसमुदाय को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि अभी कुछ समय पहले हमारे शहर में नगर निगम की बैठक में कांग्रेस की पार्षदों ने वंदे मातरम गाने से इंकार कर दिया और कहा कि किसी में यदि दम है तो वह वंदे मातरम बुलवा कर दिखलाए। इससे कांग्रेस का असली चेहरा सामने आ गया है।

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन का 30वाँ राष्ट्रीय अधिवेशन जनगणना में शत-प्रतिशत सहभागिता का आह्वान -झांझरी

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● दिगम्बर जैन तीर्थ क्षेत्र चांदखेड़ी ने एक बार फिर राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान को सुदृढ़ करते हुए दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन के 30वें राष्ट्रीय अधिवेशन में सक्रिय सदस्यों ने मेजबानी की, जो अभूतपूर्व भव्यता, अनुशासन और उत्साह के बीच सम्पन्न हुआ। देशभर से आए प्रतिनिधियों की व्यापक सहभागिता ने आयोजन को ऐतिहासिक आयाम प्रदान किया। फेडरेशन के मिडिया प्रभारी राजेश जैन दद्दू ने बताया कि अधिवेशन का शुभारंभ श्रीजी के अभिषेक शांतिधारा पूजन से हुआ। इसके पश्चात महिला बैंड दल की मधुर धुनों के बीच राष्ट्रीय पदाधिकारियों एवं अतिथियों द्वारा धर्म ध्वजारोहण किया गया। मुख्य पंडाल का उद्घाटन मुल्कराज-अंजली बादशाह ने किया, जबकि चंद्रोदय ग्रुप के बालकों ने शानदार मंगलाचरण की मनोहारी प्रस्तुति देकर वातावरण को आध्यात्मिक रंग में रंग दिया।

133 स्थानों पर नहीं मिले फायर सुरक्षा के इंतजाम

फायर सेफ्टी अभियान जारी, कई भवनों पर कार्रवाई

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● गर्मी के मौसम में संभावित अग्नि दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए जिला प्रशासन और नगर निगम द्वारा शहर में बड़े स्तर पर अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत फायर विभाग और भवन अनुज्ञा शाखा द्वारा व्यावसायिक, शैक्षणिक एवं सार्वजनिक प्रतिष्ठानों में फायर सुरक्षा व्यवस्थाओं की जांच की जा रही है। निगमायुक्त क्षितिज सिघल के निर्देश पर चलाए जा रहे इस अभियान का उद्देश्य आगजनी की घटनाओं से बचाव के प्रति जागरूकता बढ़ाना और आपात स्थिति में त्वरित प्रतिक्रिया सुनिश्चित करना है। भवन अधिकारी एवं निरीक्षकों की टीम शहर के हाई फुटफॉल क्षेत्रों में लगातार सर्वे कर रही है।

अब तक सभी जोन में कुल 432 भवनों का निरीक्षण किया गया है। इनमें से 282 भवनों में फायर सुरक्षा उपकरण तो मिले, लेकिन 50

स्थानों पर उपकरण बंद पाए गए। वहीं 133 भवन ऐसे हैं, जहां फायर सुरक्षा के कोई इंतजाम नहीं मिले। नियमों का उल्लंघन करने वाले 101 भवन संचालकों को नोटिस जारी किए जा चुके हैं। निगम ने सख्त कार्रवाई करते हुए उन भवनों को सील करना भी शुरू कर दिया है, जहां फायर सुरक्षा व्यवस्था नहीं है या बेसमेंट का उपयोग पार्किंग के बजाय अन्य कार्यों में किया जा रहा था। इसी कड़ी में 9 भवनों को 9 अप्रैल और 5 भवनों को 10 अप्रैल को सील किया गया।

समाधान योजना में इंदौर जिले के एक लाख उपभोक्ताओं को लाभ

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● मध्यप्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने तीन माह से अधिक के बकाया बिलों के लिए 15 मई तक लागू समाधान योजना का लाभ लेकर 90 प्रतिशत तक सरचार्ज माफ कराने की अपील की है। इसके अंतर्गत पुराने बकाया बिलों के एकमुश्त भुगतान पर सरचार्ज राशि पर 70 से 90 प्रतिशत तक एवं किश्तों में बिल भुगतान का विकल्प चुनकर पहली किश्त तुरंत जमा कराने पर 50 से 60 प्रतिशत तक की छूट दी जा रही है। कंपनी क्षेत्र के सभी जिलों में अब तक 9.03 लाख उपभोक्ताओं ने योजना का लाभ लेकर छूट प्राप्त की है। इन उपभोक्ताओं को करीब 40 करोड़ रूपए से अधिक की छूट मिली है। वहीं बिजली कंपनी को 293 करोड़ रूपए से अधिक का राजस्व प्राप्त हुआ है। समाधान योजना में सबसे ज्यादा इंदौर जिले के करीब एक लाख उपभोक्ता लाभान्वित हुए, इन्हें करीब 6 करोड़ रूपए की रियायत दी गई है। दूसरे स्थान पर 95 उपभोक्ताओं के साथ खरगोन जिला, तीसरे स्थान पर 94 हजार उपभोक्ताओं के साथ उज्जैन जिला, चौथे स्थान पर 80 हजार उपभोक्ताओं को लाभान्वित कराने वाला जिला रतलाम रहा। कंपनी क्षेत्र के अन्य जिलों में भी 28 हजार से 70 हजार उपभोक्ताओं के समाधान योजना में सरचार्ज माफ किए गए।

महारास लीला भगवान श्रीकृष्ण के भक्त-वत्सल रूप को दर्शाती है-शास्त्री

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● महारास लीला भगवान श्रीकृष्ण और गोपियों के बीच वृंदावन में शरद पूर्णिमा की रात को रची गई एक दिव्य नृत्य-क्रीड़ा है। यह लौकिक प्रेम नहीं, बल्कि जीवात्मा गोपी का परमात्मा कृष्ण से मिलन है। भगवन् श्री कृष्ण ने एक साथ हजारों गोपियों के साथ नृत्य किया। महारास लीला में गोपियों को लगा कि कृष्ण केवल उसी के साथ हैं। यह निराकार ब्रह्म और प्रेम का प्रतीक है। आज छटे दिनमुख्य यजमान नंद किशोर पिपलावा, श्रीमती पुष्पा खंडेलवाल, बजरंग, विजय पांडेय, अध्यक्ष खांडल समाज म प्र, मनिषा जोशी, विशाल जोशी, सोनाली शर्मा, केदार शर्मा, मंगिलाल, गोदावरी, श्याम सुंदर, दामोदर प्रसाद, महेश शर्मा, ने व्यास पीठ का पूजन किया। श्रीमदभागवत कथा का षस्टम दिवस में प्रसिद्ध भागवतप्रवक्ता '*डॉ. मनोज मोहन शास्त्री ' डॉ. मनोज मोहन शास्त्री ने आज श्री खजराना गणेश मंदिर, सत्संग हाल में बताया। महारास में शारीरिक वासना का कोई स्थान नहीं है यह गोपियों के निश्छल प्रेम का फल है। भगवान् श्री कृष्ण ने अपनी योगमाया से गोपियों की संख्या के अनुसार अनेक रूप धारण किए, जिसे 'एक गोपी, एक कृष्ण' के रूप में देखा गया।

'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' को लेकर आज पत्रकार-वार्ता

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● भारतीय जनता पार्टी की प्रदेश प्रवक्ता एवं विधायक सुश्री उषा ठाकुर, विधायक श्रीमती मालिनी लक्ष्मणसिंह गौड ने प्रदेश कोषाध्यक्ष निधि बंग, प्रदेश आई टी प्रभारी सुधा सुख्यानी, प्रदेश प्रशिक्षण प्रभारी शिवानी अड़सपुरकर, महिला मोर्चा नगर अध्यक्ष श्रीमती शैलजा मिश्रा, नगर उपाध्यक्ष श्रीमती दीप्ति हाडा, नगर मंत्री श्रीमती कंचन गिदवानी, सुश्री नेहा शर्मा, श्रीमती मंजू ठाकुर, श्रीमती इंदु श्रीवास्तव, श्रीमती स्वाति कशीद, श्रीमती वृंदा गौड की उपस्थिति में आज भाजपा कार्यालय में 'नारी शक्ति वंदन' अधिनियम को लेकर आयोजित पत्रकार-वार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम देश का भाग्य बदलने वाला कानून बनेगा। यह अधिनियम प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में महिला सशक्तिकरण का स्वर्णिम अध्याय लिखेगा। आजादी के बाद से महिलाओं को देश की संसद और राज्यों की विधानसभाओं में आरक्षण दिए जाने की मांग समय-समय पर की जाती रही है, लेकिन कांग्रेस पार्टी ने कभी आरक्षण दिलाने का प्रयास नहीं किया। भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी के कार्यकाल में महिलाओं को संसद और राज्यों की विधानसभाओं में आरक्षण दिलाने का प्रयास किया गया। लेकिन तब विपक्षी दलों के विरोध के कारण बिल पास नहीं हो सका। श्रद्धेय अटल के समय महिला आरक्षण बिल का विरोध करने वाले सभी दल आज भी कांग्रेस के साथ खड़े हैं।

'आशा भरी उड़ान' ने भरे विशेष बच्चों के सपनों को पंख

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● रोटरी क्लब इंदौर यूनाइटेड द्वारा आयोजित 'राइला - आशा भरी उड़ान' कार्यक्रम प्रेरणादायक एवं भावनात्मक वातावरण में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। यह आयोजन स्वर्गीय रोटेरियन रेबा माँ मजूमदार की स्मृति को समर्पित रहा। कार्यक्रम में पूर्व जिला गवर्नर रोटेरियन अनिश मलिक के मार्गदर्शन, मुख्य अतिथि रोटेरियन सुशील मल्होत्रा, विशिष्ट अतिथि सुखदेव सिंह घुम्मन एवं सहायक गवर्नर विनोद अग्रवाल की उपस्थिति ने गरिमा बढ़ाई। इस अवसर पर रोटेरियन दिलीप मजूमदार ने दो लाख रुपये सहयोग की घोषणा की, वहीं सुखदेव सिंह घुम्मन ने विशेष बच्चों के लिए आजीवन आर्थिक सहयोग का संकल्प लिया। स्वास्थ्य परीक्षण शिविर में डॉ. नमिता शुक्ला, डॉ. चिराग यशलाहा, डॉ. जूही कश्यप एवं डॉ. माया बोहरा ने सेवाएं दीं। कार्यक्रम में सांस्कृतिक एवं रचनात्मक गतिविधियों में बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

आर्य समाज मंदिर मल्हारगंज में शीतल प्याऊ का पुनर्स्थापन

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● जल सेवा-नर सेवा के साथ सेवा है जहाँ परंपरा, अनवरत सदा सर्वदा' के ध्येय वाक्य को चरितार्थ करते हुए भारत विकास परिषद (अहिल्यानगरी शाखा) ने अपने नए सेवा सत्र की शुरुआत एक प्रेरक पहल के साथ की। रविवार को मल्हारगंज स्थित आर्य समाज मंदिर परिसर में शीतल जल प्याऊ का पुनर्स्थापन किया गया, जो भीषण गर्मी में राहगीरों के लिए राहत का स्रोत बनेगा। यह सेवा कार्य परिषद की उपाध्यक्ष (संस्कार) रश्मि अजय शर्मा की सुपुत्री डॉक्टर श्रेया शर्मा के जन्मदिन के अवसर पर उनकी निजी बचत से सम्पन्न हुआ, जिसने व्यक्तिगत खुशियों को समाज सेवा से जोड़ने का सशक्त संदेश दिया।

महाराष्ट्र के मंत्री लोढ़ा के बयान से सकल जैन समुदाय अहात

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● जैन समुदाय को अल्पसंख्यक दर्जा बनाए रखना चाहिए या छोड़ देना चाहिए, इस मुद्दे पर महाराष्ट्र राज्य में विवाद खड़ा हो गया है। धर्म समाज प्रचारक राजेश जैन दद्दू ने बताया कि महाराष्ट्र राज्य के कैबिनेट मंत्री मंगलप्रभात लोढ़ा ने मुंबई में कहा कि जैन धर्म हिंदू संस्कृति का हिस्सा है और उसे अल्पसंख्यक दर्जा छोड़ने पर विचार करना चाहिए। इस बयान के बाद पूरे भारत में समंग्र जैन समुदाय में तीखी प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं.मंत्री जी द्वारा जैन समुदाय के लोगों को विश्वास में लिए बिना दिए गए इस बयान से विश्व की जैन समुदाय में नाराजगी देखी जा रही है।

एमपी ट्रांसको ने प्रदेश के ट्रांसमिशन नेटवर्क को किया सुदृढ़ : तोमर

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● मध्यप्रदेश के ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने बताया कि मध्य प्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी (एमपी ट्रांसको) ने बुंदेलखंड क्षेत्र में बढ़ती विद्युत मांग को ध्यान में रखते हुए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। छतरपुर स्थित 220 केवी सबस्टेशन में 200 एमवीए क्षमता का नया पावर ट्रांसफार्मर सफलतापूर्वक ऊर्जीकृत किया गया है, जिससे प्रदेश के ट्रांसमिशन नेटवर्क को सुदृढ़ता मिली है। इस पावर ट्रांसफार्मर के संचालन में आने से न केवल छतरपुर, बल्कि टीकमगढ़, निवाड़ी एवं पन्ना जिलों में भी विद्युत आपूर्ति की गुणवत्ता और विश्वसनीयता में उल्लेखनीय सुधार होगा। इससे क्षेत्र के ट्रांसमिशन नेटवर्क को मजबूती मिलेगी और भविष्य की बढ़ती मांग को पूरा करने में सहायता मिलेगी।

ऊर्जा मंत्री तोमर ने कहा कि बुंदेलखंड क्षेत्र में विकास के अनेक कार्य तेजी से प्रगति पर हैं, जिसके चलते बिजली की मांग में निरंतर वृद्धि हो रही है। ऐसे में यह पावर ट्रांसफार्मर क्षेत्र की ऊर्जा आवश्यकताओं को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। ऊर्जा मंत्री तोमर ने बताया कि इस पावरफुल ट्रांसफार्मर की स्थापना लगभग 19 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से की गई है। यह क्षेत्रीय विकास को गति देने के साथ-साथ विद्युत अवसंरचना को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

एमपी ट्रांसको के अधीक्षण अभियंता एम. वाय. मंसूरी के अनुसार, इस पावर ट्रांसफार्मर के ऊर्जीकृत होने से छतरपुर 220 केवी सबस्टेशन की क्षमता बढ़कर 643 एमवीए हो गई है। वहीं, पूरे छतरपुर जिले की कुल ट्रांसफार्मेशन क्षमता 1000 एमवीए के आंकड़े को पार करते हुए 1096 एमवीए तक पहुंच गई है। छतरपुर जिले में एमपी ट्रांसको वर्तमान में 6 सबस्टेशनों के माध्यम से विद्युत पारेषण कर रहा है, जिनमें 220 केवी सबस्टेशन छतरपुर के अलावा 132 केवी के पांच सबस्टेशन—नौगांव, बिजावर, खजुराहो, लवकुशनगर एवं बड़ा मलहरा शामिल हैं।

आबकारी विभाग की प्रभावी कार्रवाई, अवैध मदिरा परिवहन करते आरोपी गिरफ्तार

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● कलेक्टर शिवम वर्मा के आदेश एवं सहायक आयुक्त आबकारी श्री अभिषेक तिवारी के निर्देशानुसार आबकारी विभाग इंदौर द्वारा अवैध मदिरा के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई की गई। यह कार्रवाई कंट्रोलर देवेश चतुर्वेदी, डिप्टी कंट्रोलर मनोज अग्रवाल तथा सहायक जिला आबकारी अधिकारी एवं उड़ान दस्ता प्रभारी कमलेश सोलंकी के नेतृत्व में संपन्न हुई।

कार्रवाई के दौरान वृत्त बालदा कॉलोनी, बाम्बे बाजार क्षेत्र में उप निरीक्षक सुश्री मीरा सिंह द्वारा शहरी क्षेत्र के विभिन्न स्थानों पर गश्त कर अवैध मदिरा के विरुद्ध सघन अभियान चलाया गया। मुखबिर से प्राप्त सूचना के आधार पर बड़ी ग्वालटोली, महू नाका एवं केसरबाग ब्रिज के नीचे घेराबंदी कर संदिग्ध वाहनों की जांच की गई।

जांच के दौरान एक दुपहिया वाहन (क्रमांक MP09V2126) को रोककर तलाशी ली गई, जिसमें अवैध रूप से परिवहन की जा रही देशी मदिरा मसाला कुल 24.3 बल्क लीटर मात्रा में बरामद की गई। मौके पर दो आरोपियों को रंगे हाथ गिरफ्तार किया गया।

आरोपियों के विरुद्ध मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम, 1915 की धारा 34(1) के तहत कुल तीन प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है। जब्त मदिरा एवं वाहन की कुल अनुमानित कीमत 84 हजार 445 रुपये आंकी गई है। मामले में केसरबाग ब्रिज क्षेत्र से संबंधित आरोपी करण की तलाश जारी है। इस कार्रवाई में आबकारी आरक्षक अजय चंद्रावत, तरुण जाट, संगीता यादव, कैलाश अखण्डे, बबलू सिसोदिया एवं वाहन चालक अमित का सराहनीय योगदान रहा। आबकारी विभाग ने स्पष्ट किया है कि अवैध मदिरा के निर्माण, परिवहन एवं विक्रय के विरुद्ध इसी प्रकार सख्त कार्रवाई आगे भी निरंतर जारी रहेगी।

सांध्य दैनिक
इंदौर संकेत
इंदौर, सोमवार 13 अप्रैल 2026

अमरनाथ यात्रा : मेडिकल सर्टिफिकेट के लिए रात 3 बजे से फुटपाथ पर सो रहे श्रद्धालु

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • 29 जून से शुरू हो रही श्री अमरनाथ यात्रा को लेकर शहर में जबरदस्त उत्साह है, लेकिन मेडिकल फिटनेस सर्टिफिकेट बनवाने की अव्यवस्था ने श्रद्धालुओं को परेशान कर दिया है। हालात यह हैं कि अस्पताल की खिड़की खुलने के 10 घंटे पहले से ही लोग लाइन में लगने को मजबूर हैं। शहर के जिला अस्पताल और अन्य निर्धारित केंद्रों पर भीड़ बेकाबू होती नजर आ रही है। दूर-दराज और ग्रामीण इलाकों से आए श्रद्धालु रात 11 बजे से ही अस्पताल परिसर में डेरा डाल रहे हैं। खुले आसमान के नीचे रात बिताने के बाद सुबह 3 बजे तक अस्पताल के गलियारे खचाखच भर जाते हैं।

लाइन में नाश्ता, खिड़की पर विवाद

अव्यवस्था की सबसे ज्यादा मार महिला श्रद्धालुओं पर पड़ रही है। बड़ी संख्या में महिलाएं मेडिकल के लिए पहुंच रही हैं और घंटों लाइन में खड़े रहने के कारण कतार में ही नाश्ता करने को मजबूर हैं। थकान और अव्यवस्था के चलते सुबह खिड़की खुलने से पहले ही विवाद और धक्का-मुक्की की स्थिति बन रही है।

दो डॉक्टरों के भरोसे हजारों श्रद्धालु

सबसे हैरानी की बात यह है कि इतनी बड़ी भीड़ के बावजूद प्रशासन ने केवल दो डॉक्टरों की तैनाती की है। इसी वजह से मेडिकल प्रक्रिया बेहद धीमी गति से चल रही है।श्रद्धालुओं का कहना है कि एक तरफ यात्रा को सुगम बनाने के दावे किए जा रहे हैं, वहीं इंदौर जैसे बड़े शहर में व्यवस्थाएं नाकाफी हैं। मेडिकल फिटनेस सर्टिफिकेट में देरी के कारण यात्रा पंजीयन भी अटक रहा है, जिससे लोगों में नाराजगी बढ़ती जा रही है।

भोपाल की ताल के चौपाल से

मंत्रीजी का बैंक वाला विकास, खाकी में क्या पक रहा है और मैडम पर किसका वरदहस्त?

बोल हरि बोल

हरीश दिवेकर

मध्यप्रदेश के प्रशासनिक गलियारों में इन दिनों कलेक्टर के तबादलों में चर्चित नाम, मंत्रीजी के विकास के लिए बैंक से दबाव और पीएचक्यू की ठंडी जंग काफी चर्चा में है। वरिष्ठ पत्रकार हरीश दिवेकर के कॉलम बोल हरि बोल में पढ़िए इन घटनाओं के बारे में विस्तार से... मौसम का पारा चाहे ऊपर-नीचे हो रहा हो, पर मध्यप्रदेश में सिस्टम और सियासत का तापमान लगातार चढ़ा हुआ है। प्रशासनिक गलियारों में हाल ही में आई आईएएस तबादला सूची ने हलचल मचा दी है। जिन अफसरों को कलेक्टर की कुर्सी नसीब हुई है, उनके चेहरे खिल उठे हैं, जबकि जिनका कार्यकाल पलक झपकते ही खत्म हो गया, वे खामोश और मायूसी में डूबे नजर आ रहे हैं। इसी उठापटक के बीच एक कलेक्टर मैडम का तबादला न होना सबसे बड़ा टॉकिंग पॉइंट बना हुआ है। उनका नाम चर्चा में आया, अटकलें लगीं, लेकिन आखिरी लिस्ट में मैडम सुरक्षित रह गईं। अब हर कोई यही जानना चाहता है कि आखिर यह मैनेजमेंट कैसे हुआ उधर, बीजेपी के भीतर भी सियासी सरगर्मी कम नहीं है। हाल ही में बने कोर ग्रुप के नामों को लेकर अंदरखाने खूब कानाफूसी चल रही है। कौन शामिल, कौन बाहर और किसका कद कितना बढ़ा, इसी का हिसाब-किताब जारी है। कुल मिलाकर, सिस्टम और सियासत दोनों में हलचल अपने चरम पर है।

कलेक्टर मैडम पर कौन मेहरबान?

विवादों की आंच में घिरीं एक कलेक्टर मैडम इन दिनों प्रशासनिक गलियारों में खूब चर्चा बटोर रही हैं। हाल ही में आई आईएएस तबादला सूची में उनका नाम लगभग तय माना जा रहा था, लेकिन आखिरी वक्त में लिस्ट से उनका नाम गायब हो गया। बस, यहीं से शुरू हुई कानाफूसी। मंत्रालय के सूत्र बताते हैं कि मैडम ने ऊपर तक ऐसी 'झांकी' सजाई है कि वरिष्ठ अफसर भी प्रभावित हुए बिना नहीं रह पाए। कहा जा रहा है कि फाइलों से ज्यादा 'प्रेजेंटेशन' ने काम कर दिया। यही वजह रही कि नाम चर्चा में आने के बावजूद आदेश जारी होते-होते मामला ठंडा पड़ गया। अब दूसरे जिलों के कलेक्टर भी हैरान हैं। बंद कमरों में चर्चा चल रही है कि आखिर ऐसा क्या हुनर है, जिससे मुश्किल वक्त में भी कुर्सी सुरक्षित रह जाए। कुछ इसे नेटवर्किंग का कमाल बता रहे हैं तो कुछ इसे सिस्टम की समझ कह रहे हैं। खैर, सच्चाई जो भी हो, मैडम की यह झांकी इन दिनों प्रशासनिक गलियारों में चर्चा का विषय बनी हुई है।

पीएचक्यू और गृह में कोल्ड वॉर!

खाकी के गलियारों में इन दिनों एक ठंडी जंग की फुसफुसाहट तेज है। जी हां, पीएचक्यू और सरकार के जिम्मेदार चेहरों के बीच अबोला की स्थिति चल रही है। पूरे पीएचक्यू की तरफ से एक एडीजी साहब ने कमान संभाल रखी है। वहीं, गृह विभाग का हाल भी कुछ ठीक नहीं है। हर चार दिन बाद नए एसीएस प्रभार में आ जाते हैं। यहां भी पूरे गृह की कमान मैडम ने संभाल रखी है। यानी, सब कुछ सेकंड पर्सन पर ही डिपेंड है। यही वजह है कि पीएचक्यू के अधिकांश प्रस्ताव या तो टर्न डाउन हो जाते हैं या फिर बदल दिए जाते हैं। अब एक छोटा सा मामला ही देखिए। सागर आईजी रिटायर हुए तो पीएचक्यू ने जबलपुर आईजी को प्रभार देने का प्रस्ताव भेजा। सरकार ने प्रस्ताव को खारिज कर नर्मदापुरम आईजी को सागर का प्रभार दे दिया। इसी तरह संभागों में कानून व्यवस्था की समीक्षा के लिए पीएचक्यू ने एडीजी स्तर के अफसरों को प्रभार देने का प्रस्ताव दिया तो सरकार ने इसे बदलकर स्पेशल डीजी को कमान सौंप दी। ऐसे कई मामले हैं, जो पीएचक्यू और सरकार के बीच चल रहे कोल्ड वॉर की कहानी बताते हैं।

विकास के लिए फंड दो, वरना...

विकास पसंद एक मंत्रीजी के यहां से जोरदार खबर निकली है। खबर है कि मंत्रीजी को अपने क्षेत्र में विकास के कामों के लिए सरकार से पर्याप्त फंड नहीं मिल रहा है। इसीलिए तो बैंक पर अड़ीबाजी की जा रही है। सूत्रों का कहना है कि मंत्रीजी के ओएसडी ने बैंक मैनेजर को साफ-साफ कह दिया कि उनके विभाग का करोड़ों रुपया उनकी बैंक में जमा है। ऐसे में बैंक अपना सीएसआर फंड मंत्रीजी के क्षेत्र में लगाए, नहीं तो हम खाता दूसरे बैंक में ट्रांसफर कर देंगे। बैंक मैनेजर ने गाइडलाइन बताने का प्रयास किया तो ओएसडी ने मंत्रीजी के नाम से धमका दिया कि आप हां या ना में जवाब दीजिए... बाकी हम देख लेंगे कि बैंक में खाता रखना है या नहीं। अब बैंकिंग और राजनीतिक गलियारों में यही सवाल घूम रहा है कि यह महज दबाव की रणनीति है या फिर विकास के लिए नया 'जुगाड़ मॉडल'। फिलहाल, मामला फुसफुसाहट से आगे बढ़कर सुर्खियों की ओर बढ़ता दिख रहा है।

सबको साधने की जुगत...

सुबह-सुबह एक नेताजी का फोन आया। नमस्कार के बाद बोले, देखा हमारी पार्टी का मैनेजमेंट...। भाजपा के कोर ग्रुप में मामा, भाईसाहब और महाराज की एंट्री हो ही गई। दरअसल, उनका इशारा शिवराज, वीडी शर्मा और नरोत्तम मिश्रा की तरफ था। मैंने सवाल किया कि इसमें नया क्या है? तो नेताजी बोले, मोहन सरकार में ये नए समीकरण हैं। सबको साधने की जुगत है। बाद में उन्होंने विस्तार से सब समीकरण भी समझाए और फोन रख दिया। सही भी है...। बीजेपी आलाकमान प्रदेश स्तर पर किसी तरह के पावर सेंटर नहीं रखना चाहती है। यही वजह है कि नवगठित कोर कमेटी में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के साथ केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया, शिवराज सिंह चौहान, डिप्टी सीएम राजेंद्र शुक्ला, जगदीश देवड़ा, मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, प्रहलाद पटेल, राकेश सिंह के साथ सांसद वीडी शर्मा को लिया गया है। पूर्व मंत्री नरोत्तम मिश्रा और अरविंद सिंह भदौरिया को भी कोर ग्रुप में जगह दी गई है।

...और बह गई उलटी गंगा

यूथ कांग्रेस में इन दिनों 'दूरी' ही सबसे बड़ा मुद्दा बन गई है। दिलचस्प बात ये है कि कुछ समय पहले प्रभारी ने खुद नसीहत दी थी कि दूरी कम रखिए, काम आसान होगा। लेकिन जब नई सूची आई तो तस्वीर उलट नजर आई। कई पदाधिकारियों को घर से 500 से 800 किलोमीटर दूर जिलों का जिम्मा थमा दिया गया। दरअसल, मध्यप्रदेश यूथ कांग्रेस ने पुरानी सूची रद्द कर जोन प्रभारियों की नई नियुक्तियां की हैं। इसके पीछे इरादा भले संगठन को मजबूत करने का है, लेकिन अंदरखाने असंतोष की लहर दौड़ पड़ी है। पदाधिकारियों का कहना है कि इतनी दूरी के चलते स्थानीय मुद्दों को समझना और लगातार सक्रिय रहना मुश्किल हो जाएगा। मामला हाल ही में राष्ट्रीय स्तर तक भी पहुंचा है, जहां यह सवाल उठा कि जब फील्ड में पकड़ ही कमजोर होगी तो संगठन की धार कैसे तेज होगी दूरी के साथ-साथ महिला प्रतिनिधित्व को लेकर भी आवाजें उठने लगी हैं। कई कार्यकर्ता इसे असंतुलित बता रहे हैं। अब संगठन के भीतर चर्चा यही है कि यह नई रणनीति जमीन पर असर दिखाएगी या फिर दूरी ही सबसे बड़ी बाधा बन जाएगी।

पक्षियों की प्यास बुझाने के लिए संस्था मातृभूमि ने 201 सकोरे का किया वितरण

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • संस्था मातृभूमि ने एक सराहनीय पहल करते हुए गर्मियों में पक्षियों की प्यास बुझाने के लिए 5100 सकोरे का वितरण करने अभियान के तहत मनकामेश्वर महादेव मंदिर पर ब्राह्मणों को सकोरे वितरित किए। रहवासियों को पक्षियों के लिए दाना पानी की व्यवस्था करने का संकल्प भी दिलाया। संस्था के सुरजीत सिंह वालिया ने बताया कि इस अभियान में अब लगातार 5100 सकोरे का वितरण जारी किया जा रहा है इसी के तहत 201 सकोरे का वितरण किया। सभी को पक्षियों के लिए घरों की छतो पर सकोरे रखकर उसमे दाना पानी की व्यवस्था करने का संकल्प भी दिलाया। संस्था के सुरजीत सिंह वालिया का कहना है कि मनुष्य को प्यास बुझाने के लिए बड़ी ही सहजता से ठंडा पानी उपलब्ध हो जाता है, लेकिन मूक पशु-पक्षियों के लिए यह इतना आसान नहीं होता है, तपती धूप में नन्हें पक्षी दिन भर प्यासे रहेते है इसको लेकर संस्था तकरीबन 19 वर्षों से निशुल्क सकोरे वितरण करती है।

महाकुंभ में वायरल 'मोनालिसा' मामला : हिंदुवादी नेता वाघ ने हिंदू बहन-बेटियों को किया सतर्क रहने का आह्वान

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • महाकुंभ के सनातनी मेले में सोशल मीडिया पर वायरल हुई 'मोनालिसा' की घटना को लेकर हिंदुवादी नेता कृष्णा वाघ ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने अपने सोशल मीडिया अकाउंट के माध्यम से हिंदू बहनों और बेटियों से सतर्क रहने की अपील की है। कृष्णा वाघ ने कहा कि यह घटना केवल एक सामान्य मामला नहीं, बल्कि हिंदू समाज के लिए एक बड़ा सबक है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में भावनात्मक रूप से भ्रमित कर युवतियों को गलत दिशा में ले जाने के प्रयास हो रहे हैं, ऐसे में जागरूकता बेहद जरूरी है। उन्होंने विशेष रूप से हिंदू बहन-बेटियों से अपील करते हुए कहा कि वे किसी भी प्रकार के भावनात्मक छल, धोखे या भ्रामक संबंधों से दूर रहें और सोच-समझकर निर्णय लें। साथ ही उन्होंने समाज और परिवार से भी आग्रह किया कि वे अपनी बेटियों को सही मार्गदर्शन दें, ताकि वे किसी भी प्रकार के जाल में फंसने से बच सकें। कृष्णा वाघ ने इस पूरे मामले को एक चेतावनी बताते हुए कहा कि ऐसे घटनाक्रम से सीख लेते हुए समाज को सजग और सतर्क रहने की आवश्यकता है।

महिलाओं से संबंधित सभी मामलों का निपटारा फास्ट ट्रैक कोर्ट में हो - कांग्रेस

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • प्रदेश में महिलाओं पर हो रहे अत्याचार एवं उत्पीड़न में लगातार हो रही वृद्धि एवं प्रदेश की मोहन यादव सरकार की मूकदर्शिका के खिलाफ जहां पूरी कांग्रेस और महिला कांग्रेस ने मैदान सम्भाल रखा है, वहीं प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी एवं कांग्रेस महिला उत्पीड़न निवारण प्रकोष्ठ की प्रदेश अध्यक्ष सुश्री प्रियंका किरार के निर्देश पर प्रदेश स्तर पर महिलाओं के प्रति बढ़ते अपराधों के विरोध में इंदौर में कांग्रेस महिला उत्पीड़न निवारण प्रकोष्ठ की पदाधिकारियों ने प्रकोष्ठ की शहर अध्यक्ष कविता त्रिवेदी के नेतृत्व में दर्जनभर से अधिक महिला नेत्रियों ने पलासिया स्थिपुलिस आयुक्त कार्यालय पहुंचकर ज्ञापन सौंपा।

परिणय सूत्र में बंधने वाले 25 नवयुगलो ने स्वदेशी सामान अपनाने की ली शपथ

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • संस्था हर्ष द्वारा 19 अप्रैल, अक्षय तृतीया को 25 जोड़ो का सामूहिक विवाह बाणगंगा स्थित बाणेश्वर कुंड में आयोजित किया जा रहा है, जिसके पहले आयोजन स्थल पर भूमिपूजन हुआ। वही दूल्हा दुल्हन को सूट और चुन्नी बेस वितरित किए गए, साथ ही शादी करने वाले नवयुगलों को स्वदेशी सामान अपनाने की शपथ दिलाई गई। संस्था हर्ष के अध्यक्ष चंदन सिंह बैस ने बताया कि 19 अप्रैल को आयोजित होने वाले निशुल्क सर्वसमाज सामूहिक विवाह सम्मेलन में शामिल वर वधुओ को संस्था की ओर से पूर्व विधायक आकाश विजयवर्गीय ने दूल्हे को सूट और दुल्हन को चुन्नी बेस दिए गए। साथ ही वैवाहिक कार्यक्रम की संपूर्ण जानकारी देकर आयोजन को भव्य बनाने के लिए चर्चा की।

सिटी सेंटर वेलफेयर सोसायटी के चुनाव में बोहरा अध्यक्ष, डोसी सचिव बने

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • शहर के प्रमुख व्यवसायिक केंद्र सिटी सेंटर वेलफेयर सोसायटी के त्रैवार्षिक निर्वाचन चुनाव अधिकारी मप्र उच्च न्यायालय के अधिवक्ता कुलदीप पाठक के मार्गदर्शन में विधिवत सम्पन्न हुए। उनके द्वारा घोषित नतीजों के अनुसार नवनिर्वाचित कार्यकारिणी में सर्वानुमति से पारस बोहरा अध्यक्ष, मनोज गंगवाल उपाध्यक्ष, हर्ष डोसी सचिव, निलेश गुरानी सह सचिव तथा अब्दुल मतीन कोषाध्यक्ष चुने गए।

लालसोठ स्थित बिजासणी माता दरबार पर कलश स्थापना

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • माली मोहल्ला, एमओजी लाइन्स स्थित श्री महाप्रचंड हनुमान मंदिर पर संत लादूनाथजी महाराज गुरु आश्रम न्यास समिति (ट्रस्ट) के तत्वावधान एवं महंत रामकिशन महाराज के सानिध्य में बिजासणी माता दरबार खुर्रा (लालसोठ राजस्थान) में 23-24 अप्रैल को कलश स्थापना महोत्सव का दिव्य आयोजन होगा जिसमें मालवा, निमाड़ एवं मारवाड़ के सैकड़ों शिष्य शामिल होंगे। भक्त मंडल के विजय अग्रवाल ने बताया कि महोत्व में 23 अप्रैल को विशाल कलश यात्रा और भजन संध्या तथा 24 अप्रैल को अग्नि स्थापन, हवन के साथ कलश स्थापना एवं भंडारे का दिव्य आयोजन होगा।

शिक्षकों का आंदोलन टीईटी परीक्षा निरस्त करने की मांग

तहसील कार्यालय पर शिक्षकों ने जमकर की नारेबाजी और मुख्यमंत्री के नाम दिया ज्ञापन

दैनिक इंदौर संकेत

देपालपुर • सुप्रीम कोर्ट की और से कक्षा 1 से 8 तक के शिक्षकों के लिए शिक्षक पात्रता परीक्षा टीईटी अनिवार्य किए जाने के खिलाफ शिक्षक अध्यापक संयुक्त मोर्चा देपालपुर ने शनिवार को मुख्यमंत्री के नाम तहसील कार्यालय पर ज्ञापन सौंपा। संयुक्त मोर्चा के संजय सेन एवं बंटी बैरागी ने कहा कि माननीय सर्वोच्च न्यायालय के फैसले से लाखों शिक्षक प्रभावित हो रहे है। फैसले से इन शिक्षकों पर शासकीय सेवा में बने रहने की कठिनाई सामने आ रही हैं। शिक्षक 20 से 30 वर्षों से शासकीय शालाओं में सेवारत है और उन्हें इतने अनुभव, योग्यता और वरिष्ठता के बावजूद अगर फिर से शिक्षक पात्रता परीक्षा देना पड़े तो यह उनके लिए अपमानजनक है। क्योंकि सभी शिक्षक राज्य सरकारों द्वारा समय समय पर आयोजित शिक्षक चयन परीक्षाएं उत्तीर्ण कर ही सेवा में आए थे। बावजूद उसके पुन: सुप्रीम कोर्ट के फैसले के चलते शिक्षक पात्रता टीईटी परीक्षा उत्तीर्ण करना उनके साथ बड़ा अन्याय है। ज्ञापन

में कर्मचारियों को पुरानी पेंशन बहाल करने और शिक्षक संवर्ग को प्रथम नियुक्ति दिनांक से वरिष्ठता प्रदान करने की मांग भी शामिल थी। मोर्चा पदाधिकारियों ने राज्य सरकार से माननीय सुप्रीम कोर्ट में रिव्यू पिटिशन लगाने और केंद्र की मोदी सरकार से टीईटी पात्रता परीक्षा निरस्त करने संबंधी अध्यादेश लाने की मांग कर देश-प्रदेश के लाखों लाख शिक्षकों को राहत प्रदान करने की मांगी भी पुरजोर तरीके से रखी।

सांध्य दैनिक
इंदौर संकेत

आपकी बात, इंदौर संकेत के साथ

डिजिटल रूप से लाखों पाठकों के साथ अपना नियमित संपर्क बनाते हुए दैनिक इंदौर संकेत अब एक नई ऊंचाइयों को छू रहा है। आप भी अपने संस्थान, उत्पाद, संस्था का प्रचार-प्रसार दैनिक इंदौर संकेत के माध्यम से सकते हैं। इसके तहत आप चाहे प्रापर्टी व्यवसाय से जुड़े हैं या कोई बधाई संदेश देना है या जन्मदिन की शुभकामनाएं हो या कोई अन्य कैटेगरी में विज्ञापन देना चाहते हैं तो न्यूनतम दर पर प्रकाशित करने के लिए संपर्क कर सकते हैं। दैनिक इंदौर संकेत संवेदनापूर्ण संदेशों को लेकर अत्यंत संवेदनशील है। इसीलिए इस समाचार पत्र में शोक संदेश नि:शुल्क प्रकाशित किए जाएंगे।

कार्यालय का पता
5/6, राज मोहल्ला, महेश नगर,
गुरुद्वारे के सामने, इंदौर
संपर्क: 94250-64357,94245-83000

सम्पादकीय

लापरवाही और संवेदनहीनता अपराध की गंभीरता को और त्रासद बना देती है

सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में राज्य सरकार, संबंधित थाना प्रभारी, दोनों निजी अस्पतालों और कार्यकारी मजिस्ट्रेट के प्रति सख्त रुख अख्तियार किया है। उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद में एक बच्ची से बलात्कार और उसकी हत्या के मामले ने फिर यही साबित किया है कि शासन-तंत्र और पुलिस से लेकर अस्पतालों तक पसरी व्यापक लापरवाही और संवेदनहीनता दरअसल अपराध की गंभीरता को और त्रासद बना देती है। यह कल्पना करना भी मुश्किल है कि एक मासूम के खिलाफ पहले अपराधी बर्बरता से पेश आता है, फिर दो निजी अस्पतालों को उसके जीने-मरने की परवाह नहीं होती और पुलिस भी घनघोर लापरवाही बरतती है। यह मामला भी शायद संवेदनहीनता के दुश्चक्र में उलझ कर दम तोड़ देता, लेकिन इसमें न्याय के लिए गुहार सुप्रीम कोर्ट तक पहुंची और अदालत ने इस पर सख्त रुख अख्तियार किया। खबरों के मुताबिक, मजदूरी करके गुजारा करने वाले एक व्यक्ति की चार वर्षीय बेटी से पड़ोस के एक युवक ने बलात्कार किया और ईंट से वार कर उसे मरने के लिए छोड़ दिया। बेटी को खोजने के बाद जब पिता उसे लेकर इलाज के लिए गए, तो दो निजी अस्पतालों ने उपचार करने से मना कर दिया। आखिर में बच्ची को एक सरकारी अस्पताल में मृत घोषित कर दिया गया। यानी अपराध की वीभत्सता के बाद जिन अस्पतालों को सबसे पहले बच्ची की जान बचाने की कोशिश करनी चाहिए थी, वहां उन्होंने मना कर दिया। त्रासदी यहीं नहीं रुकी। इसके बाद पोस्टमार्टम रपट में साक्ष्य के बावजूद पुलिस ने प्राथमिकी में बलात्कार की धारा नहीं जोड़ी और न ही पाक्सो अधिनियम के तहत अपराध दर्ज किया। पुलिस ने पीड़ित परिवार का उत्पीड़न किया और कहानियां बनाती रही। अव्वल तो लचर कानून-व्यवस्था की वजह से जघन्य अपराध की घटना होती है। फिर उसके बाद भी पुलिस को जरूरी कार्रवाई करने से कौन रोकता है। यह बेवजह नहीं है कि सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में राज्य सरकार, संबंधित थाना प्रभारी, दोनों निजी अस्पतालों और कार्यकारी मजिस्ट्रेट के प्रति सख्त रुख अख्तियार किया है। अदालत ने यहां तक कहा कि मामले के तथ्य और परिस्थितियों ने हमारी अंतरात्मा को झकझोर दिया। उत्तर प्रदेश सरकार आए दिन राज्य में अपराध पर पूरी तरह काबू पाने के दावे करती रहती है, लेकिन एक मासूम के खिलाफ हुई बर्बर घटना और उसके बाद पुलिस की संवेदनहीनता क्या दर्शाती है? लोग अब छोटी-छोटी बातों पर अपना आपा खो देते हैं।

प्रसंगवशः आशा भोसले का निधन

सुरों की बारिश थम गई, आशा फिर भी भीगती रही

आज का संगीत संसार एक ऐसी रिक्तता के सामने खड़ा है, जिसे शब्दों में समेटना कठिन है। आशा भोसले के निधन ने भारतीय संगीत की उस धड़कन को मौन कर दिया है, जो कई पीढ़ियों की भावनाओं में जीवित रही। 12 अप्रैल 2026 को मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में 92 वर्ष की आयु में उनका निधन केवल एक कलाकार का अंत नहीं, बल्कि एक युग का शांत हो जाना है। फेफड़ों के संक्रमण, थकान और बढ़ती उम्र ने शरीर को दुर्बल किया, पर उनकी स्वर-छवि स्मृतियों में अमर है। ओ. पी. नैय्यर से लेकर आर. डी. बर्मन तक, उनकी गायकी ने हर दौर को नई पहचान और रंग दिया। इस शोक में भी ऐसा लगता है मानो उनकी धुनें अब भी हवा में तैर रही हों—जैसे संगीत उन्हें पूरी तरह विदा करने को तैयार न हो।

जो आवाज़ कभी नहीं थकी, वह आज चुप क्यों हो गई?

सुरों की वह शक्ति जो इतिहास बन गई – आशा भोसले

बचपन की कठिनाइयों से उभरकर आशा ने संगीत को ही अपना सहारा बना लिया। 8 सितंबर 1933 को महाराष्ट्र के सांगली में मंगेशकर परिवार में जन्मी आशा केवल नौ वर्ष की थीं, जब उनके पिता दीनानाथ मंगेशकर का निधन हो गया। इसके बाद परिवार मुंबई आ गया, जहाँ अभाव और संघर्ष के बीच उन्होंने बड़ी बहन लता मंगेशकर के साथ संगीत की शिक्षा ली। सोलह वर्ष की आयु में 1949 में उन्होंने गणपतराव भोसले से विवाह किया, जिसे परिवार की स्वीकृति नहीं मिली, फिर भी उन्होंने कठिन परिस्थितियों में अपने संकल्प को बनाए रखा। 1948 में फिल्म 'चुनरिया' के गीत 'सावन आया' से उन्होंने पार्श्वगायन की शुरुआत की, जो आगे चलकर एक ऐतिहासिक संगीत यात्रा बनी। यह शुरुआत एक ऐसी सशक्त आवाज़ का उदय थी, जिसने भारतीय सिनेमा संगीत को नई दिशा और पहचान दी।

उनके करियर में सफलता और ऊँचाइयों की श्रृंखला मिलती है। ओपी नैय्यर के साथ गीतों में चंचलता उभरी, जबकि आरडी बर्मन के साथ उन्होंने प्रयोगधर्मिता का नया दौर शुरू किया। 'तीसरी मंजिल' का 'आजा आजा', 'हरे राम हरे कृष्णा' का 'दम मारो दम' और 'उमराव जान' का 'दिल चीज क्या है' भारतीय संगीत की पहचान बन गए। उन्होंने 12,000 से अधिक गीत हिंदी, मराठी, बंगाली, तमिल और गुजराती सहित कई भाषाओं में गाए। गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में उन्हें सबसे अधिक गीत रिकॉर्ड करने वाली गायिका का दर्जा मिला। शंकर-जयकिशन, खय्याम, इलैयाराजा और ए. आर. रहमान जैसे संगीतकारों के साथ उनकी आवाज़ ने नया जादू रचा। वे केवल पार्श्वगायिका नहीं, बल्कि एक स्वर-शक्ति थीं, जिसने हर शैली को नया रूप दिया।

व्यक्तिगत जीवन में आशा भोसले ने कई संघर्षों का सामना किया, जिसने उन्हें सशक्त बनाया। कम उम्र में विवाह, पारिवारिक असहमति और बाद में वैवाहिक अलगाव ने उनके जीवन को प्रभावित किया, फिर भी बच्चों-हेमंत, वर्षा और आनंद की जिम्मेदारी निभाते हुए उन्होंने संगीत से दूरी नहीं बनाई। 1980 के आसपास आरडी बर्मन के साथ उनके संबंधों ने उनके जीवन में भावनात्मक मोड़ जोड़ा, जिसकी चर्चा हुई। बहन लता मंगेशकर के साथ संबंधों में उतार-चढ़ाव रहे, लेकिन संगीत ने उन्हें हमेशा जोड़े रखा। उन्होंने 'आशा' नाम से रेस्तरां श्रृंखला शुरू की, जिसने दुबई से दोहा तक पहचान बनाई। 2013 में फिल्म 'माई' से उन्होंने अभिनय में भी कदम रखा। उनका यह बहुआयामी व्यक्तित्व उन्हें एक सशक्त और प्रेरक हस्ती बनाता है।

आशा भोसले को उनके योगदान के लिए पद्म विभूषण, दादासाहेब फाल्के पुरस्कार, सात फिल्मफेयर और दो राष्ट्रीय पुरस्कार सहित कई सम्मान मिले। उन्होंने भजन, गज़ल, पॉप और वेस्टर्न संगीत में भी अपनी सशक्त आवाज़ दी, जिससे उनका प्रभाव राष्ट्रीय सीमाओं से आगे बढ़कर वैश्विक स्तर तक पहुँचा। 'ये मेरा दिल' जैसे गीतों में हेलेन के लिए उनकी गायकी ने अलग पहचान बनाई, वहीं 'लगान' जैसे प्रोजेक्ट्स में उनकी उपस्थिति ने नई ऊर्जा दी। कॉर्नरशॉप के 'ब्रिमफुल ऑफ आशा' और क्रोनोस क्वार्टेट के साथ सहयोग ने उन्हें अंतरराष्ट्रीय मंच पर विशिष्ट स्थान दिलाया। उनकी सॉप्रानो आवाज़ ने भारतीय संगीत की सीमाएँ लांघकर विश्व संगीत में भी अमिट छाप छोड़ी। वे हर शैली में सहज रहीं और हर प्रयोग को सफलता में बदलती रहीं।

जीवन के अंतिम वर्षों में भी आशा भोसले पूरी तरह सक्रिय रहीं। उन्होंने डिजिटल मंचों पर अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई और यूट्यूब के माध्यम से नई पीढ़ी से सीधा संवाद स्थापित किया। 2026 में गोरिलाज जैसे अंतरराष्ट्रीय समूह के साथ उनका अंतिम सहयोग उनकी प्रयोगधर्मिता और नवाचार के प्रति समर्पण का सशक्त प्रमाण बना। उनकी पोती जनाई भोसले भी संगीत की परंपरा को आगे बढ़ा रही हैं, जिससे यह धरोहर पीढ़ी दर पीढ़ी जीवित है। उनकी विरासत केवल परिवार तक सीमित नहीं रही, बल्कि संपूर्ण भारतीय संगीत जगत में व्यापक रूप से फैली हुई है। आज जब उनकी धुनें स्मृतियों में गूंजती हैं, तो नई पीढ़ी उन्हें एक प्रेरणास्रोत के रूप में देखती है। उनका जीवन यह संदेश देता है कि कला समय की सीमाओं से परे होती है और स्वर कभी समाप्त नहीं होते, वे केवल रूप बदलकर सदा जीवित रहते हैं।

आशा भोसले का जाना केवल एक कलाकार की विदाई नहीं, बल्कि भारतीय संगीत के स्वर्णिम युग के एक महत्वपूर्ण अध्याय का अवसान है। फिर भी यह अंत पूर्ण नहीं, क्योंकि उनके गीत समय के साथ अमर रहेंगे। जब भी कोई पुराना गीत गूंजता है, उनकी आवाज़ फिर वातावरण में जीवंत हो उठती है। संघर्ष, नवाचार और समर्पण के बल पर उन्होंने सिद्ध किया कि संगीत केवल कला नहीं, बल्कि जीवन की आत्मा है। आज देश और दुनिया भर में उन्हें श्रद्धा और सम्मान के साथ स्मरण किया जा रहा है। उनका नाम आने वाली पीढ़ियों के लिए सदैव प्रेरणा का स्रोत रहेगा। आशा भोसले—एक स्वर-आत्मा, जो समय से परे जाकर भी अमर है और सुरों की दुनिया में सदा प्रकाश बनकर चमकती रहेगी।

कृति आरके जैन
सृजनिका, बड़वानी (मप्र)

आंचलिक

मनावर के पुराने तहसील कार्यालय में आग, स्टांप विक्रेताओं की 6 दुकानें जलीं

दैनिक इंदौर संकेत

धार • जिले के मनावर नगर स्थित पुराने तहसील कार्यालय में सोमवार सुबह करीब 5 बजे आग लग गई। इस घटना में छह दुकानें जलकर खाक हो गईं, जिससे लगभग 30 से 35 लाख रुपए के नुकसान का अनुमान है। आग से प्रभावित होने वाली दुकानें छह स्टांप विक्रेताओं की थीं, जिनमें गणपत चौहान, शहनवाज खान, रहिश एडवोकेट, जगदीश ठाकुर, मौसीन खान और मुकेश मंडलार्ड की दुकानें शामिल हैं।

स्टांप वेंडरों ने बताया कि आग लगने से दुकानों में रखे कंप्यूटर, लैपटॉप, प्रिंटर, इन्वर्टर, बैटरी, स्टेबलाइजर, स्टांप मशीन, फोटोस्टेट मशीन, राजस्व टिकट, कीबोर्ड, स्टाम्प, कई लोगों की रजिस्ट्रियां और फर्नीचर सहित अन्य कीमती सामान जलकर राख हो गया। सबसे बड़ा नुकसान करीब 15 साल पुराने महत्वपूर्ण दस्तावेजों और सरकारी डेटा का हुआ है, जो पूरी तरह नष्ट हो गए। इससे कई लोगों के सरकारी रिकॉर्ड, लेनदेन संबंधी दस्तावेज और महत्वपूर्ण फाइलें जल गईं, जिससे वेंडरों और दुकानदारों की आजीविका पर संकट खड़ा हो गया है। आग लगने का प्रारंभिक कारण अज्ञात है। मनावर नगर पालिका की फायर ब्रिगेड की मदद से करीब दो घंटे में आग पर काबू पाया गया। समय रहते आग पर नियंत्रण पा लेने से घटनास्थल के बाहर स्थित लगभग 20 कपड़े और जूते-चप्पल की दुकानें आग की चपेट में आने से बच गईं।

धार के 3.86 करोड़ के स्विमिंग पूल में लापरवाही, दो दिन से कोच नहीं

दैनिक इंदौर संकेत

धार • धार के उदय रंजन मैदान स्थित 3.86 करोड़ रुपए की लागत से बने स्विमिंग पूल में अव्यवस्था और लापरवाही सामने आई है। दावा किया गया था कि यहां 10 कोच होंगे, लेकिन पिछले दो दिनों से एक भी कोच मौजूद नहीं है, फिर भी पूल का संचालन जारी है। जानकारी के अनुसार, शुक्रवार को पूल पर कुछ युवकों और कोचों के बीच विवाद हो गया था। इस दौरान युवकों ने कोचों के साथ मारपीट की, जिसके बाद सभी कोच वहां से चले गए और तब से ड्यूटी पर नहीं लौटे हैं।

हैरानी की बात यह है कि शनिवार को बिना किसी कोच की उपस्थिति में बच्चों को स्विमिंग कराई गई। रविवार को भी पूल पर कोई कोच मौजूद नहीं था, जिससे बच्चों की सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं।

स्थानीय लोगों का कहना है कि स्विमिंग के नाम पर कोचिंग के साथ 2500 रुपए प्रति माह की फीस ली जा रही है। कोचों की अनुपस्थिति में लोग खुद को ठगा हुआ महसूस कर रहे हैं, क्योंकि मोटी फीस देने के बावजूद उन्हें उचित प्रशिक्षण नहीं मिल पा रहा है। केंद्रीय राज्य मंत्री महिला एवं बाल विकास सावित्री ठाकुर ने आमजनों की सुविधा को देखते हुए स्विमिंग पूल की फीस कम कराने के लिए कलेक्टर को पत्र लिखा है। मंत्री ने कहा कि इतनी अधिक फीस आम लोग नहीं दे सकते, इसलिए इसे कम किया जाएगा।

उन्होंने यह भी बताया कि स्विमिंग पूल का निर्माण लोगों की सुविधा और बेहतर खिलाड़ियों को तैयार करने के उद्देश्य से किया गया है। वर्तमान अव्यवस्थाओं को लेकर प्रशासन से चर्चा कर जल्द समाधान निकालने की बात भी उन्होंने कही। इस पूरे मामले ने प्रशासनिक व्यवस्थाओं और सुरक्षा इंतजामों पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। वहीं, लोगों में इस स्थिति को लेकर नाराजगी भी बढ़ती जा रही है।

मालगाड़ी से एलपीजी गैस लीकेज, पनवेल से जबलपुर जा रही ट्रेन के 1 वैगन से रिसाव

दैनिक इंदौर संकेत

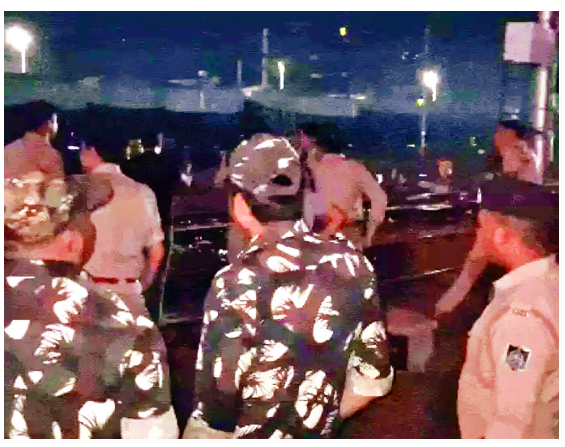

खंडवा • रेलवे स्टेशन के आउटर पर रविवार रात महाराष्ट्र के पनवेल से जबलपुर (बिटौनी) जा रही भारत पेट्रोलियम की मालगाड़ी (32 वैगन) से एलपीजी गैस का लीकेज होने का मामला सामने आया है।

स्टाफ बदलने के दौरान बदबू आने पर रेलवे और प्रशासनिक अधिकारियों ने 3 घंटे की मशक्कत के बाद लीकेज वाले 1 वैगन को बाकी 31 वैगन से अलग कर आइसोलेट किया। बचाव के लिए पीथमपुर से टेक्निकल टीम को बुलाया गया है और बाकी 31 वैगन वाली ट्रेन को जबलपुर रवाना कर रात 12:30 बजे के बाद इस रूट पर ट्रेनों की आवाजाही बहाल कर दी गई है।

घटना रविवार रात 9:30 बजे की है। एलपीजी गैस के 32 वैगन से भरी ट्रेन खंडवा रेलवे स्टेशन के आउटर पर खड़ी थी। इसी दौरान यहां ट्रेन का स्टाफ बदला गया। नई टीम को स्मैल (बदबू) आने पर चेकिंग की गई, जिसमें एक वैगन से लीकेज का खुलासा हुआ। सूचना मिलते ही रेलवे के स्थानीय अधिकारी, खंडवा कलेक्टर ऋषव गुप्ता और एसपी मनोज कुमार राय मौके पर पहुंचे। टेक्निकल टीम की मदद से लीकेज वैगन को ट्रेन से अलग कर दूर आइसोलेट किया गया। एहतियात के तौर पर लीकेज वाले वैगन को गीले बारदान (बोरियों) और गीली बालू रेत से ढंक दिया गया।

लीकेज वैगन को अलग करने और स्थिति को सुरक्षित करने में प्रशासन को करीब 3 घंटे का समय लगा। रात 12:30 बजे अधिकारी मौके से रवाना हुए। इस पूरे घटनाक्रम के कारण रेलवे यातायात भी बाधित हुआ और राजधानी व मंगला एक्सप्रेस सहित कुल 6 ट्रेनें प्रभावित रहीं। स्थिति नियंत्रण में आने के बाद रात 12:30 बजे से ट्रेनों की आवाजाही फिर से शुरू कर दी गई।

मौके पर पहुंचे कलेक्टर ऋषव गुप्ता ने बताया कि, '32 वैगन वाली ट्रेन में एलपीजी गैस भरी हुई थी। एक वैगन में लीकेज पाया गया। जिसे आइसोलेट करके फर्स्ट एड के रूप में गीली बोरियों से ढ़का गया हैं। औद्योगिक क्षेत्र पीथमपुर से टेक्निकल टीम को बुलाया गया है। टीम वहां से रवाना हो गई हैं। एक वैगन में इतनी गैस भरी रहती है कि, यदि हादसा होता तो पूरा शहर दहल सकता था।'

गौवंश तस्करी, पिकअप में मिले 19 गोवंश, बोरगांव पुलिस ने 4 आरोपी गिरफ्तार किए

दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा • जिले में गौवंश तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत बोरगांव पुलिस ने रविवार को कार्रवाई करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से तस्करी में इस्तेमाल की गई पिकअप वाहन, एक बाइक और कुल 19 गौवंश बरामद किए गए हैं। जब्त सामान की कीमत करीब 10 लाख रुपए बताई जा रही है।

जानकारी के मुताबिक, पुलिस को सूचना मिली थी कि एक पिकअप वाहन में गौवंश को क्रूरता पूर्वक भरकर महाराष्ट्र ले जाया जा रहा है। इस पर पुलिस टीम ने ग्राम राजोरा के पास घेराबंदी कर एक पिकअप (स्क्क0 न्न 0169) को रोका। तलाशी के दौरान वाहन में 4 गोवंश ठूंस-ठूंस कर बांधे हुए मिले। दस्तावेज मांगने पर चालक सोनू मासरे और उसके साथी रंजीत उर्फ गोलू कोई कागजात पेश नहीं कर सके और पूछताछ में वध के लिए ले जाना स्वीकार किया। खास बात यह है कि आरोपियों के द्वारा पिकअप के आगे आगे बाइक से रैकी की जाती थी। बावजूद वे लोग पुलिस के शिकंजे में आ गए। पूछताछ के दौरान कादिर पटेल, महेश चौहान और कमल के नाम सामने आए। पुलिस ने राजोरा में कादिर पटेल के घर

दबिश दी, जहां 15 गोवंश क्रूरता पूर्वक बांधकर रखे गए थे। सभी को जब्त कर सुरक्षित गौशाला भेजा गया, जहां उनकी देखभाल की जा रही है। आरोपियों के खिलाफ गौवंश वध प्रतिषेध अधिनियम की धारा 4, 6, 9 और पशु क्रूरता अधिनियम की धारा 11(घ) के तहत मामला दर्ज किया गया है। सभी आरोपियों को कोर्ट में पेश किया गया। जहां से उन्हें जमानत मिल गई। पुलिस के अनुसार आरोपियों के खिलाफ जिले और अन्य जिलों में भी आपराधिक प्रकरण दर्ज हैं।

सेल टैक्स कार्यालय में आग, 20 साल पुराने रिकॉर्ड खाक

दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा • रसिविल लाइन जेल रोड स्थिति सेल टैक्स कार्यालय में रविवार दोपहर अचानक आग लगने से 15 से 20 साल पुराने रिकॉर्ड जलकर खाक हो गए। रविवार को अवकाश होने के कारण कोई जनहानि नहीं हुई। वहीं विभागीय अधिकारियों ने दावा किया कि रिकॉर्ड ऑनलाइन हो चुके है। इसलिए रिकॉर्ड का कोई नुकसान नहीं हुआ है। पुराने रिकॉर्ड खंडवा संभाग के चारों जिलों के नाकों के थे। वहीं आग की सूचना मिलते ही मौके पर नगर निगम की फायर ब्रिगेड के साथ कोतवाली थाना टीआई और पुलिस बल के साथ सेल टैक्स कार्यालय के अधिकारी पहुंचे।

आईपीएल : आज होगा राजस्थान रॉयल्स और सनराइजर्स के बीच मुकाबला

हैदराबाद (एजेंसी) ● आईपीएल 2026 में सोमवार को सनराइजर्स हैदराबाद का मुकाबला राजस्थान रॉयल्स से होगा। इस मैच में राजस्थान का लक्ष्य अपनी जीत के सिलसिले को बनाये रखना रहेगा। राजस्थान की टीम ने युवा रियान पराग की कप्तानी में अपने अब तक के सभी चारों मैच जीते हैं जिससे उसके हौंसले बुलंद हैं। वहीं दूसरी ओर, सनराइजर्स हैदराबाद का प्रदर्शन अब तक मिला-जुला रहा है। सनराइजर्स की कमजोरी इस बार भी गेंदबाजी रही है। यहां की पिच बल्लेबाजों के अनुरुप है और ऐसे में अगर सनराइजर्स की टीम टॉस जीतती है तो उसका लक्ष्य पहले बल्लेबाजी करते हुए बड़ा स्कोर बनाना रहेगा। इस सत्र में अब तक राजस्थान हावी रही है। ऐसे में इस मैच में भी उसका पलड़ा भारी है। आंकडों पर नजर डालें तो दोनो के बीच अब तक 21 मुकाबले हुए हैं जिसमें से सनराइजर्स से 12 जबकि रॉयल्स ने 9 जीते हैं।

गौरतलब है कि इन दोनों ही टीमों के बीच आखिरी आईपीएल मुकाबला पिछले सीजन हैदराबाद के मैदान पर ही खेला गया था जिसे मेजबान टीम ने 286 रन का स्कोर डिफेंड करके राजस्थान रॉयल्स से 44 रनों से जीता। बताते चलें कि इस मुकाबले में ईशान किशन ने महज़ 47 गेंदों पर नाबाद 106 रनों की तूफानी शतकीय पारी खेली थी। सनराइजर्स की बल्लेबाजी कप्तान ईशान किशन के अलावा अभिषेक शर्मा, ट्रैविस हेड पर आधारित रहेगी। वहीं रॉयल्स के पास यशस्वी जायसवाल, वैभव सूर्यवंशी के जैसे बल्लेबाजों के अलावा शिवम दुबे जैसा ऑलराउंडर है। गेंदबाजी में उसके पास जोफ्रा आर्चर, तुषार देशपांडे और रवि बिश्नोई हैं। सनराइजर्स के पस गेंदबाज के तौर पर ब्रायडन कार्स, जयदेव उनादकट जैसे गेंदबाज हैं।

क्रिकेट में बॉल टैंपरिंग को कानून बना देना चाहिए - डेविड मलान

नई दिल्ली (एजेंसी) ● इंग्लैंड के पूर्व बल्लेबाज डेविड मलान ने क्रिकेट जगत में एक नया विवाद छेड़ दिया है। उन्होंने बॉल टैंपरिंग को लेकर एक ऐसा बयान दिया है, जिससे पूरे क्रिकेट जगत में हलचल मच गई है। मलान ने सुझाव दिया है कि गेंद और बल्ले के बीच संतुलन बनाए रखने के लिए, गेंद से छेड़छाड़ को कानूनी मान्यता दे देनी चाहिए। उनका मानना है कि यह कोई नई प्रथा नहीं है, बल्कि लंबे समय से इसकी प्रैक्टिस होती आ रही है।एक पॉडकास्ट में बोलते हुए, मलान ने कहा कि इतिहास गवाह है कि सालों से खिलाड़ी गेंद से छेड़छाड़ करते पकड़े गए हैं। उनके अनुसार, यह अब कोई गोपनीय बात नहीं है, और इसे कानूनी बना देना चाहिए। हालांकि, उन्होंने यह स्पष्ट किया कि बाहरी पदार्थों के इस्तेमाल की अनुमति नहीं होनी चाहिए। उनका तर्क है कि फील्डिंग टीम को गेंद को जल्दी रिवर्स स्विंग कराने के लिए उसे खरोंचने की छूट मिलनी चाहिए, क्योंकि इसमें भी एक विशेष कौशल होता है। मलान का यह भी मानना है कि यदि गेंदबाजों को गेंद को रिवर्स कराने की क्षमता मिलती है, तो मैच अधिक रोमांचक और कड़े होंगे। इससे अंतिम ओवरों तक मुकाबला बराबरी का रहेगा और टीमें आसानी से कई विकेट हाथ में लेकर नहीं जीत पाएंगी, जिससे पूंछ के बल्लेबाजों की भूमिका भी महत्वपूर्ण हो जाएगी। यह बयान ऐसे समय में आया है जब हाल ही में बॉल टैंपरिंग का एक ताजा मामला पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) 2026 में सामने आया था। लाहौर कलंदर्स के बल्लेबाज फखर जमान को एक मैच के आखिरी ओवर से ठीक पहले गेंद की हालत बदलते हुए कैमरे में पकड़ा गया था। इस घटना के परिणामस्वरूप, कलंदर्स को पांच रन की पेनल्टी मिली थी और कराची किंग्स ने वह लो-स्कोरिंग मैच जीत लिया था। बाद में, जमान पर दो मैचों का प्रतिबंध भी लगाया गया, हालांकि कप्तान शाहीन अफरीदी पर कोई कार्रवाई नहीं हुई। यह घटना टी20 क्रिकेट में भी बॉल टैंपरिंग की मौजूदगी को दर्शाती है। डेविड मलान का यह सुझाव निस्संदेह क्रिकेट के नियमों और उसकी स्पिरिट ऑफ़ द गेम पर एक नई बहस छेड़ देगा। जहां कुछ लोग उनके विचार का समर्थन कर सकते हैं कि यह खेल में संतुलन और रोमांच बढ़ाएगा, वहीं कई ऐसे भी होंगे जो इसे खेल की ईमानदारी के खिलाफ मानेंगे।

नेहा शर्मा का मेकअप पर अनोखा बयान: मेकअप में और खराब लगती हूं

मुंबई (एजेंसी) ● बॉलीवुड की रंगीन और ग्लैमरस दुनिया, जहां सितारे अक्सर अपने परफेक्ट लुक और स्टाइल के लिए जाने जाते हैं, वहीं अभिनेत्री नेहा शर्मा ने हाल ही में एक ऐसा बयान दिया है जिसने उनके फैंस और इंडस्ट्री को हैरान कर दिया है। हाल ही में नेहा ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक वीडियो साझा किया, जिसमें वह मेकअप किए हुए अपने बालों को फ्लिक करती हुई नजर आ रही थीं। आमतौर पर सेलिब्रिटीज अपने मेकअप लुक की तारीफ करते हैं या उसे स्टाइल स्टेटमेंट के तौर पर दिखाते हैं, लेकिन नेहा ने इस बार एक बिल्कुल ही अलग और ईमानदारी भरा अंदाज अपनाया। उन्होंने अपनी वीडियो के साथ लिखा, मुझे अपने बाल और मेकअप ठीक से करना नहीं आता। मुझे इस स्किल को सीखने की जरूरत है, ताकि मैं खुद को बेहतर तरीके से प्रजेंट कर सकूं। यह टिप्पणी सिर्फ खुद को प्रस्तुत करने की क्षमता तक ही सीमित नहीं थी, बल्कि नेहा ने अपने मेकअप लुक पर एक मजाकिया और आत्म-निरीक्षक सवाल भी उठाया। उन्होंने लिखा, क्या मैं ही अकेली लड़की हूं जिसे लगता है कि मेकअप के साथ मैं और भी खराब दिखती हूं? यह बयान उस ग्लैमर उद्योग में एक ताजी हवा के झोंके जैसा है, जहां परफेक्ट दिखना एक नियम बन गया है। नेहा का यह बेबाक और सच्चा कमेंट दर्शाता है कि वह सिर्फ अपनी फिल्मी किरदारों में ही नहीं, बल्कि असल जिंदगी में भी कितनी वास्तविक हैं।

नीरू बाजवा की फिल्म 'जवाक' के सेट से मस्ती भरी झलक

मुंबई (एजेंसी) ● पंजाबी और बॉलीवुड सिनेमा में अपनी दमदार अदाकारी से एक अलग मुकाम हासिल करने वाली अभिनेत्री नीरू बाजवा एक बार फिर दर्शकों के दिलों पर राज करने के लिए तैयार हैं। उनकी आगामी पंजाबी फिल्म जवाक इन दिनों सुर्खियों में है और इसका एक मजेदार बिहाइंड द सीन्स (बीटीएस) वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। हालही में नीरू बाजवा ने जवाक के एक गाने की शूटिंग का एक बेहद मनोरंजक वीडियो अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर साझा किया, जिसमें वह बच्चों के साथ झूमती और उनकी ऊर्जा का बखूबी मुकाबला करती नजर आ रही हैं। यह वीडियो न केवल फिल्म के प्रति उत्सुकता बढ़ा रहा है, बल्कि नीरू की सहज और बच्चों के साथ घुलमिल जाने वाली शख्सियत को भी उजागर करता है। वीडियो में नीरू बाजवा बच्चों के साथ पूरे जोश और उत्साह के साथ डांस कर रही हैं। उनकी मुस्कान और बच्चों के साथ उनकी केमिस्ट्री दर्शकों को खूब पसंद आ रही है। इस वीडियो को साझा करते हुए नीरू ने लिखा, संभलकर... छोटे-छोटे बच्चों में भी बहुत ज्यादा टैलेंट होता है। वाहेगुरु हमेशा आपको खुश और तरक्की में रखे। हमारी फिल्म जवाक जल्द ही सिनेमाघरों में दस्तक देगी। यह कैप्शन बच्चों के प्रति उनके स्नेह और विश्वास को दर्शाता है, साथ ही फिल्म के रिलीज की भी जानकारी देता है। फैंस इस वीडियो को लगातार लाइक और शेयर कर रहे हैं, और नीरू की इस पहल की सराहना कर रहे हैं।

उज्जैन संभाग

फर्जी 'जॉइंट सेक्रेटरी' का खेल बेनकाब, सर्किट हाउस में रूम बुक कर भस्म आरती की कोशिश

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ● एक व्यक्ति ने खुद को केंद्र सरकार का संयुक्त सचिव बताकर प्रशासन को गुमराह करने का प्रयास किया। उसने सर्किट हाउस में कमरे बुक करवाए और महाकालेश्वर मंदिर की भस्म आरती के लिए विशेष व्यवस्था की मांग की। संदेह होने पर जांच की गई, जिसके बाद फर्जीवाड़े का खुलासा हुआ और आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। दिल्ली निवासी इस युवक ने स्वयं को केंद्र सरकार के एविएशन मंत्रालय का संयुक्त सचिव बताया था। उसने सर्किट हाउस में दो कमरे आरक्षित करवाए और महाकालेश्वर मंदिर की प्रसिद्ध भस्म आरती में शामिल होने के लिए विशेष व्यवस्था कराने का दबाव बनाया।

जानकारी के अनुसार, दिल्ली के द्वारकापुरी निवासी अतुल कुमार ने पहले मंदिर प्रशासन के अधिकारी प्रथम कौशिक को फोन कर खुद को उच्च पदस्थ अधिकारी बताया। इसके बाद उसने जिला प्रशासन के प्रोटोकॉल अधिकारी को भी इसी तरह प्रभावित कर देवास रोड स्थित सर्किट हाउस में दो कमरे बुक करा लिए। शनिवार शाम जब अतुल कुमार अपने दोस्त और परिवार के साथ सर्किट हाउस पहुंचा, तो वहां के स्टाफ ने उससे पहचान पत्र (आईडी) मांगा। आरोपी लगातार टालमटोल करता रहा, जिससे स्टाफ को संदेह हुआ। इसके बाद संबंधित मंत्रालय से संपर्क कर जानकारी ली गई, जहां स्पष्ट हो गया कि वह किसी भी पद पर कार्यरत नहीं है। मामले की पुष्टि होते ही आरोपी को देर रात महाकाल थाना पुलिस के हवाले कर दिया गया। थाना प्रभारी गगन बादल ने बताया कि पूछताछ में आरोपी ने हाईकोर्ट रजिस्ट्रार के नाम से भी पत्र भेजने की बात स्वीकार की है। उसने अपने परिवार में आईएएस अधिकारी होने का हवाला देकर भी प्रभाव बनाने की कोशिश की थी।

मंदिर के सुरक्षा प्रभारी जयंत राठौर के अनुसार, आरोपी से पूछताछ जारी है। पुलिस यह भी जांच कर रही है कि उसके साथ मौजूद लोगों की इस फर्जीवाड़े में क्या भूमिका रही है। इसके अतिरिक्त, यह भी पता लगाया जा रहा है कि आरोपी ने इस तरह की फर्जी पहचान का उपयोग कर अन्य किन-किन जगहों पर अनुचित लाभ उठाया है। श्री महाकालेश्वर मंदिर में फर्जी अनुमति से प्रवेश के मामले सामने आ रहे हैं। शनिवार की सुबह भस्म आरती के दौरान मुंबई निवासी रौनक परमार को फर्जी अनुमति से प्रवेश करते हुए पकड़ा गया। रौनक अपने 9 साथियों के साथ भस्म आरती के लिए आया था। उसके साथियों को अनुमति मिल गई थी, लेकिन रौनक को नहीं।

शहर को ग्रीन बनाने लगाएंगे 25 लाख पौधे, सिंहस्थ की तैयारी-2 साल में पूरा होगा लक्ष्य

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ● शहर में नगर निगम को इस साल 10 लाख और अगले वर्ष 15 लाख पौधे लगाने का लक्ष्य दिया है। इस तरह दो वर्षों में सिंहस्थ से पहले 25 लाख पौधारोपण कर शहर की हरियाली बढ़ाने की तैयारी है।

इस अभियान के लिए नगर निगम और नगरीय प्रशासन विभाग संयुक्त रूप से बजट उपलब्ध कराएंगे। निगम के पास सड़क चौड़ीकरण के दौरान पेड़ काटने के एवज में मिले 2 करोड़ रुपए है। इसके अलावा शासन स्तर से भी अतिरिक्त फंड उपलब्ध कराया जाएगा।

पौधारोपण के लिए शहर में खाली और अनुपयोगी जमीनों देख रहे हैं। नगर निगम द्वारा विभिन्न स्थानों का सर्वे कर सूची तैयार की जा रही है। जून से मानसून के साथ ही पौधारोपण अभियान की शुरुआत की जाएगी। इस बार निगम केवल पौधे लगाने तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि उनकी देखरेख और संरक्षण पर भी विशेष फोकस रहेगा।

पौधारोपण का कार्य ठेकेदार के माध्यम से कराया जाएगा, जिसे पौधे लगाने के बाद दो वर्षों तक उनकी सुरक्षा, सिंचाई और रखरखाव की जिम्मेदारी दी जाएगी।

अभी विवि परिसर, तरणताल सहित 10 जगह चयनित की नगर निगम अपर आयुक्त संदीप शिवा के अनुसार प्रारंभिक चरण में विक्रम विश्वविद्यालय परिसर, तरणताल क्षेत्र, एमआर-5 रोड, चकोर पार्क सहित करीब 10 प्रमुख स्थलों का चयन किया है। इसके अलावा शहर के लगभग 400 उद्यानों में उपलब्ध खाली भूमि का उपयोग भी किया जाएगा। हर जोन में करीब 20 स्थानों को चिह्नित किया जाएगा, जिनमें सड़क किनारे, चौराहे और निगम की अन्य खाली जमीनें शामिल होंगी।

गर्मी में जंगल से बाहर आ रहे वन्यजीव वन विभाग की एडवाइजरी जारी

दैनिक इंदौर संकेत

बुरहानपुर ● वन विभाग ने गर्मी के मौसम में वन्यप्राणियों की सुरक्षा को लेकर रविवार को एक एडवाइजरी जारी की है। यह कदम इसलिए उठाया गया है क्योंकि गर्मी में पानी की तलाश में वन्यप्राणी अक्सर जंगल और जंगल से बाहर या रिहायशी इलाकों के करीब आ जाते हैं। बुरहानपुर जिले में वन्यप्राणियों की आवाजाही सामान्य है, क्योंकि इसकी सीमा महाराष्ट्र के मेलघाट टाइगर रिजर्व से सटी हुई है। इस कारण यहां अक्सर बाघ और तेंदुए जैसे वन्यजीव देखे जाते हैं। दरअसल, हाल के दिनों में जिले में वन्यप्राणियों की मौत के कई मामले सामने आए हैं। कुछ समय पहले खकनार रेंज में एक बाघिन की बीमारी से मौत हो गई थी। इसके अतिरिक्त, एक साल पहले एक बाघ की करंट लगने से मौत हुई थी, जबकि लगभग डेढ़ साल पहले नेपानगर क्षेत्र में एक वृद्ध बाघ की प्राकृतिक कारणों से मृत्यु हो गई थी। प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्य जीव) डॉ. समीता राजौरा ने अपनी एडवाइजरी में बताया कि गर्मी के मौसम में ग्रामीण महुआ, तेंदूपत्ता और अन्य लघु वनोपज के संग्रहण के लिए अक्सर जंगल में प्रवेश करते हैं। इस दौरान उनका सामना बाघ, तेंदुए या अन्य वन्यप्राणियों से हो सकता है, जिससे उनके घायल होने या जनहानि की आशंका रहती है। उन्होंने वन समितियों को भी इस संबंध में जागरूक रहने और ग्रामीणों को सचेत करने का निर्देश दिया है। वन विभाग और वन समितियों को निर्देशित किया गया है कि वे ग्रामीणों को बाघ, तेंदुआ, भालू जैसे वन्यजीवों के व्यवहार और उनसे सामना होने पर बरती जाने वाली सावधानियों के बारे में विस्तृत जानकारी दें। एडवाइजरी में ग्रामीणों से अपील की गई कि वे लघु वनोपज संग्रहण के लिए हमेशा समूह में ही जंगल में प्रवेश करें। अपने साथ डंडा, मोबाइल, टॉर्च और पानी जैसी आवश्यक सामग्री रखें।

वरिष्ठ अफसरों के हस्तक्षेप से बदली योजना, बिजली लाइन की अंडरग्राउंड शिफ्टिंग का प्लान बदला

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ● मक्सी रोड फोरलेन निर्माण में बिजली कंपनी ने नई चुनौती खड़ी कर दी। शहरी क्षेत्र की बिजली लाइन अंडरग्राउंड डालने के लिए उन्होंने सड़क निर्माण एजेंसी को 16 करोड़ का एस्टीमेट दिया। इसे देख अपेक्स कंपनी सकते में आ गई। मामले को लेकर एमपीआरडीसी के अफसरों व वरिष्ठ प्रशासनिक अफसरों को हस्तक्षेप करना पड़ा।

इधर, बिजली कंपनी का इतना बड़ा एस्टीमेट देखकर कंपनी ने शहरी क्षेत्र में काम ही शुरू नहीं किया। कंपनी ने टेंडर शर्तों को निकालते हुए एमपीआरडीसी अफसरों से चर्चा की। विभागीय अफसरों ने इसे गंभीरता से लेते हुए मामला वरिष्ठ प्रशासनिक अफसरों तक पहुंचाया और वरिष्ठ अफसरों के हस्तक्षेप के बाद बिजली अफसर अपना अंडरग्राउंड केबल डालने का प्लान बदलने की सहमति दी।

इसके बाद नए स्तर से अंडरग्राउंड लाइन वाले प्लान को खंभे गाड़कर लाइन शि?फ्टिंग में बदल दिया। हालां?कि इससे शहरी क्षेत्र में लाइन शिफ्टिंग की लागत घटकर 7 करोड़ के करीब हो गई। तब जाकर कहीं निर्माण एजेंसी शहरी क्षेत्र में काम करने के लिए आगे आई। कंपनी ने सड़क के दोनों तरफ सड़क की बाउंड्री तय करने के लिए नाली बनाने का काम शुरू करा दिया।

पूरे फोरलेन की लाइन शिफ्टिंग की लागत भी घटी, 20 से 11.54 करोड़ हुई शहरी क्षेत्र की लाइन शिफ्टिंग की लागत कम होने से पूरे हाइवे पर बिजली लाइन शिफ्टिंग की लागत भी कम हो गई है। शहरी क्षेत्र के पुराने एस्टीमेट के 16 करोड़ जोड़कर पूरे हाइवे की लागत 20 करोड़ के करीब पहुंच गई थी। यह लागत अब घटकर 11.54 करोड़ रह गई है। इधर, बात बनते ही एमपीआरडीसी विभाग के अफसरों ने 5 प्रतिशत सुपरविजन चार्ज बिजली कंपनी में जमा करवाकर इसकी लाइन शिफ्टिंग के लिए प्रक्रिया भी शुरू करवा दी है।

न्यूज ब्रीफ

गेहूं उपार्जन में तेजी : 342 किसानों को 3.28 करोड़ का भुगतान

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● इंदौर जिले में समर्थन मूल्य पर गेहूं उपार्जन का कार्य 10 अप्रैल से जिले के सभी खरीदी केंद्रों पर सुचारु रूप से जारी है और किसानों में अपनी उपज बेचने को लेकर अच्छा उत्साह देखा जा रहा है। अब तक जिले में 531 किसानों से गेहूं की खरीदी की जा चुकी है, जिसमें से 450 से अधिक किसानों को 9 एवं 10 अप्रैल को की गई खरीदी का कुल 3 करोड़ 28 लाख रुपये का भुगतान भी किया जा चुका है।

कलेक्टर शिवम वर्मा के विशेष निर्देशों के चलते इस वर्ष उपार्जन प्रक्रिया को और अधिक सरल एवं त्वरित बनाया गया है। जिला आपूर्ति नियंत्रक श्री एम.एल. मारू ने बताया कि खरीदी के तुरंत बाद ही किसानों का बिल तैयार किया जा रहा है तथा उसी समय हैंडलिंग चालान और स्वीकृति पत्रक भी बनाए जा रहे हैं, जिससे भुगतान प्रक्रिया में तेजी आई है और किसानों को समय पर राशि प्राप्त हो रही है।

शासकीय ज्ञानोदय विद्यालय इंदौर में कक्षा 7वीं से 11वीं तक के प्रवेश शुरू

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● मध्यप्रदेश शासन के अनुसूचित जाति विकास विभाग द्वारा संचालित शासकीय ज्ञानोदय विद्यालय मोरोद, खण्डवा रोड इंदौर में सत्र 2026-27 के लिए कक्षा 7वीं, 8वीं, 9वीं एवं 11वीं में रिक्त सीटों पर नवीन प्रवेश हेतु आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। विद्यालय के प्राचार्य ने बताया कि बालक और बालिकाओं हेतु कक्षा 7वीं में कुल 24, कक्षा 8वीं में 15, कक्षा 9वीं में 23 तथा कक्षा 11वीं में 57 सीटें उपलब्ध हैं। इच्छुक विद्यार्थी 25 अप्रैल 2026 सायं 5 बजे तक कार्यालयीन समय में विद्यालय में उपस्थित होकर आवेदन पत्र जमा कर सकते हैं। शासकीय अवकाश के दिनों को छोड़कर आवेदन स्वीकार किए जाएंगे।

गांधी हॉल में विपरीत दिशा में बना रैंप मंगेशकर ऑडिटोरियम में फ्रंट रैंप नहीं

दिव्यांगों के लिए सार्वजनिक इमारतों को बाधा रहित बनाने की मांग

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● शहर की सार्वजनिक इमारतों में दिव्यांगों के लिए आना-जाना कष्टदायक है, क्योंकि दिव्यांगों के लिए इन इमारतों में बाधारहित वातावरण नहीं है। शहर के कई सभागृह, बाजार, शॉपिंग कॉम्प्लेक्स, सिनेमाघर, मॉल, होटल, अस्पताल, शैक्षणिक संस्थानों में नए सिरे से सर्वे करने की जरूरत है। दिव्यांगों के अनुसार गांधी हॉल और लता ऑडिटोरियम इसका उदाहरण हैं, जहां दिव्यांगों के लिए बाधारहित वातावरण नहीं है।

मामले में दिव्यांगों के लिए काम करने वाली संस्था आनंद सर्विस सोसाइटी के ज्ञानेन्द्र पुरोहित ने बताया कि शहर की सार्वजनिक इमारतों में दिव्यांगों के अनुकूल वातावरण बनाने की आवश्यकता है। दैनिक जीवन में ऐसा नहीं होने पर उन्हें कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। वर्तमान में सबसे अधिक दिव्यांगों को समस्या का सामना बीआरटीएस के बस स्टॉप टूटने के कारण करना पड़ रहा है। दिव्यांगजन बस स्टॉप पर आसानी से पहुंचते थे। यहां बस और स्टॉप का फ्लोर एक ही लेवल में होने से दिव्यांग आसानी से बस में प्रवेश कर लेते थे। वर्तमान में बस स्टॉप टूट चुके हैं, सड़क से बस में यात्री बैठ रहे हैं, जिसके कारण दिव्यांगों की परेशानी बढ़ गई है। बस के फ्लोर तक पहुंचने के लिए उन्हें सीढ़ियां चढ़नी पड़ती हैं।

सीढ़ियों से पहुंचने होती है परेशानी-पैर से दिव्यांग पूनम तिवारी ने बताया कि दिव्यांगों के लिए शहर में कई इमारतें हैं, जहां बाधारहित वातावरण नहीं है। गांधी हॉल में विपरीत दिशा में रैंप बना दिया गया है, जहां आगे की ओर जाने का रास्ता नहीं है। वहीं आश्चर्य की बात है कि लता ऑडिटोरियम में फ्रंट साइट पर रैंप ही नहीं बनाया गया है। दोनों ओर सीढ़ियां हैं, जिससे दिव्यांगों को यहां पहुंचने में परेशानी होती है।

स्ट्राइगर पब विवाद में करणी सेना की एंट्री, प्रॉपर्टी विवाद का नया ट्विस्ट सामने आया

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● शहर के चर्चित स्ट्राइगर पब विवाद में अब करणी सेना की एंट्री हो गई है। मामले में नया मोड़ तब आया जब आरोपी यश जैन ने मारपीट के आरोपों को खारिज करते हुए इसे प्रॉपर्टी विवाद से जोड़ दिया। लसूड़िया थाना पुलिस ने देवेन्द्र पटेल की शिकायत पर यश जैन और उनके साथी किशोर सिंह सिकरवार के खिलाफ मारपीट का केस दर्ज किया है। शिकायत में बताया गया था कि पब में एंट्री को लेकर विवाद हुआ और अगले दिन आरोपियों ने साथियों के साथ मिलकर हमला किया। वहीं, यश जैन की ओर से पेश वकील ने दावा किया है कि यह पूरा मामला एंट्री विवाद नहीं, बल्कि प्रॉपर्टी विवाद है। उन्होंने बताया कि शालीमार टाउनशिप स्थित स्काई कॉर्पोरेट बिल्डिंग में यश की 102 नंबर की दुकान है, जबकि 103 नंबर की दुकान उन्होंने लीज पर ली थी, जिसे हाल ही में पब संचालकों ने खाली करवा लिया।

बताया गया कि इसी बिल्डिंग की पहली मंजिल पर 102 से 110 नंबर तक स्ट्राइगर पब संचालित होता है और दोनों के लिए आने-जाने का रास्ता व लिफ्ट एक ही है। यश का आरोप है कि पब के कर्मचारियों से प्रॉपर्टी को लेकर लगातार विवाद होता रहा है। उन्होंने बताया कि शुक्रवार को भी उनकी दुकान के बाहर बैठने को लेकर विवाद हुआ, जिसके बाद करीब 20 से ज्यादा बाउंसर और कर्मचारियों ने उन्हें घेर लिया। अगले दिन जब वे बातचीत के लिए पहुंचे, तो देवेन्द्र पटेल से कहासुनी के बाद हाथापाई हो गई। यश का यह भी आरोप है कि पुलिस ने बिना पूरी जांच के केवल वीडियो के आधार पर एफआईआर दर्ज कर ली है।

शहर में 1300 से अधिक उद्यान, 300 उद्यानों की हालत खराब

एक वार्ड में एक अत्याधुनिक बगीचा भी नहीं बना पाया निगम, एक बार फिर बनाई सूची

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● शहर के 85 वार्ड में 1300 के आस-पास उद्यान है जिसमें से 300 उद्यानों की हालत बेहद खराब है। 700 विकसित उद्यान है लेकिन उन्हें बेहतर नहीं बनाया गया है। विकसित उद्यानों को बेहतर बनाने के लिए एक प्रस्ताव उद्यान विभाग की ओर से तैयार कर मंजूरी के लिए मेयर इन काउंसिल की बैठक में रखने की तैयारी है। महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने शहर के 85 वार्ड में 85 अत्याधुनिक उद्यान बनाने की घोषणा की जहाँ पार्थ वे, बेंचेस, झूला, चकरी से लेकर अत्याधुनिक जिम्नेशियम की व्यवस्था, योगा सेन्टर से लेकर बेहतर - सुविधाएं जुटाना थी। हालत यह है कि आधे उद्यान भी अत्याधुनिक नहीं बन सके हैं। अभी हाल ही में उद्यान विभाग में एक बैठक के साथ हर वार्ड से जब जानकारी तलब की तब यह खुलासा हुआ कि उद्यानों की हालत ठीक नहीं है। रहवासी संघों के साथ उद्यान विभाग के साथ नगर निगम और पार्षद का भी समन्वय बराबर नहीं होने से रहवासी संघ देखभाल करने को भी तैयार नहीं है। उद्यान विभाग की ओर से अलग-अलग कालोनियों के रहवासी संघों को पत्र भेजे जा रहे हैं। एक बार फिर बेहतर उद्यान बनाने के लिए प्रस्ताव तैयार किया है। जल्द ही मंजूरी होगी, इसका भी इंतजार किया जा रहा है। 85 वार्ड में अत्याधुनिक उद्यानों को लेकर भी जल्द बैठक होने जा रही है। उद्यान अधिकारी शातिलाल यादव ने बताया कि बेहतर अत्याधुनिक उद्यान बन गए है, थोड़े से शेष बचे हुए हैं। शहर में जो विकसित उद्यान है उनके लिए एक प्रस्ताव बनाया है और उन्हें सुधारने के लिए अनुमानित लागत 5-10 करोड़ तक है उस पर चर्चा कर सकते हैं।

छावनी मंडी की जमीन पर कानूनी पेंच, अटका मेगा प्रोजेक्ट

वन भूमि और स्वामित्व विवाद से घिरी योजना ट्रैफिक जाम से राहत की उम्मीद को झटका

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● शहर की वर्षों पुरानी छावनी अनाज मंडी को आधुनिक सुविधाओं के साथ मोरोद में शिफ्ट करने की महत्वाकांक्षी परियोजना एक बार फिर अटक गई है। करीब 15 साल से प्रस्तावित इस प्रोजेक्ट से इंदौर विकास प्राधिकरण (आईडीए) ने खुद को अलग कर लिया है, जिससे प्रस्तावित ग्रेन मार्केट और ट्रांसपोर्ट नगर की योजना अधर में लटक गई है।

दरअसल, छावनी अनाज मंडी को मोरोद में करीब 310 एकड़ जमीन पर विकसित किया जाना था। योजना के तहत मौजूदा मंडी की कीमती जमीन आईडीए को व्यावसायिक विकास के लिए दी जानी थी, ताकि परियोजना की लागत की भरपाई हो सके। मंडी सूत्रों के अनुसार, छावनी मंडी की

जमीन मूल रूप से दान स्वरूप प्राप्त हुई थी। ऐसे में इसका आईडीए को हस्तांतरण कानूनी रूप से स्पष्ट नहीं हो पाया। इसी वजह से प्रोजेक्ट कानूनी उलझनों में फंस गया।

वहीं, मोरोद स्थित प्रस्तावित स्थल पर करीब 77 हेक्टेयर वन भूमि भी शामिल है, जिसके लिए वन विभाग से एनओसी नहीं मिल सकी। अन्य जिलों में वैकल्पिक जमीन देने का प्रस्ताव भी मंजूर नहीं हुआ।

इस परियोजना पर कंसल्टेंसी के रूप में लगभग 9.5 लाख रुपए खर्च किए जा चुके हैं। हाल ही में हुई आईडीए बोर्ड बैठक में इन जटिलताओं का हवाला देते हुए प्राधिकरण ने प्रोजेक्ट से पीछे हटने का फैसला लिया और मंडी बोर्ड से खर्च राशि लौटाने का अनुरोध किया है। अब आधुनिक मंडी विकसित करने की जिम्मेदारी पूरी तरह मंडी बोर्ड पर आ गई है।

आईडीए के सीईओ परिक्षित जाड़े के अनुसार, मंडी सचिव से छावनी मंडी की जमीन की कानूनी स्थिति स्पष्ट करने को कहा गया है। यदि हस्तांतरण संभव हुआ तो प्रोजेक्ट पर पुनर्विचार किया जाएगा, अन्यथा मंडी बोर्ड ही इसे आगे बढ़ाएगा। परियोजना में देरी का असर किसानों और व्यापारियों पर पड़ रहा है। शहर के बीच स्थित छावनी मंडी ट्रैफिक जाम का बड़ा कारण बनी हुई है। 'नो-एंट्री' के कारण किसानों को रात में उपज लानी पड़ती है, जबकि व्यापारियों को माल भेजने के लिए देर तक इंतजार करना पड़ता है। सीजन में जगह की कमी के चलते जाम की स्थिति बनती है, जिससे नीलामी और तौल प्रक्रिया भी प्रभावित होती है।

मेट्रो की डबल रफ्तार : पहली बार दो ट्रेनें एक साथ दौड़ीं

70 किमी प्रति घंटा पर सफल ट्रायल रन

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● शहर में मेट्रो अब लॉन्च के बेहद करीब पहुंच गई है। तैयारियों के अंतिम दौर में शनिवार को ऐसा ट्रायल हुआ, जिसने पूरे प्रोजेक्ट की प्रगति को नई गति दे दी। पहली बार दो मेट्रो ट्रेनों को एक साथ ट्रैक पर उतारकर उनकी स्पीड, टाइमिंग और सेफ्टी का संयुक्त परीक्षण किया गया। इस दौरान ट्रेनों ने 70 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार तक दौड़ लगाई। सुबह 8 बजे से दोपहर 1 बजे तक चले इस मेगा ट्रायल में अधिकारियों ने खासतौर पर यह परखा कि एक ही ट्रैक पर दो ट्रेनों का संचालन कितनी सटीकता और सुरक्षा के साथ किया जा सकता है। यह परीक्षण भविष्य में नियमित संचालन के लिए बेहद अहम माना जा रहा है। मेट्रो का पहला चरण 17 किलोमीटर लंबे रूट पर शुरू होगा, जो गांधी नगर से रेडिसन चौराहा तक फैला है। इस रूट पर 10 स्टेशन बनाए गए हैं, जो शहर के प्रमुख इलाकों को जोड़ेंगे।

खास बात यह है कि इस कॉरिडोर में एयरपोर्ट और बस स्टैंड जैसे महत्वपूर्ण ट्रांजिट पॉइंट भी कवर होंगे। मेट्रो परियोजना को पहले ही कमिश्नर ऑफ मेट्रो रेलवे सेफ्टी (सीएमआरएस) से हरी झंडी मिल चुकी है। निरीक्षण के दौरान छोटी-मोटी खामियों को भी दुरुस्त कर लिया गया है। अब केवल कुछ स्टेशनों का फिनिशिंग वर्क बाकी है।

इंदौर में कंपनी के कर्मचारियों ने पार्सल में की हेराफेरी:कंपनी के सीनियर एक्जीकेटिव की शिकायत पर एफआईआर

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● चंदन नगर थाना पुलिस ने एक कंपनी की शिकायत पर उसके ही दो कर्मचारियों के खिलाफ माल में हेराफेरी (गबन) का मामला दर्ज किया है। आरोप है कि दोनों कर्मचारी लंबे समय से कंपनी को नुकसान पहुंचा रहे थे। पुलिस के मुताबिक, नीरज जायसवाल, एनटेक्स ट्रांसपोर्टेशन कंपनी में लायजनिंग सीनियर एग्जीक्यूटिव के पद पर कार्यरत हैं। उन्होंने शिकायत में बताया कि उनकी कंपनी Amazon के लिए अधिकृत डिस्ट्रीब्यूटर का काम करती है। कंपनी में सुपरवाइजर रहे दीपक मोहरे (निवासी पालदा) और डिलीवरी बॉय प्रवीण सिंह (निवासी जालोर, राजस्थान) सितंबर 2024 से जनवरी 2026 तक कार्यरत थे। आरोप है कि ग्राहक द्वारा पार्सल न लेने पर जो सामान वापस भेजा जाता था, उसमें दोनों कर्मचारियों ने हेराफेरी की। जब कंपनी ने पार्सल चेक किए तो उनमें मूल (ओरिजिनल) सामान नहीं मिला। इस तरह करीब 10 लाख 90 हजार रुपए का माल कंपनी को वापस नहीं मिला। जांच में यह भी सामने आया कि आरोपी डिलीवरी के दौरान सामान बदल देते थे और बाद में उसे ग्राहक द्वारा लौटाया गया बताकर कंपनी को धोखा देते थे। कंपनी द्वारा नोटिस देने के बाद दोनों से पूछताछ की गई, लेकिन संतोषजनक जवाब नहीं मिला। इसके बाद पुलिस में शिकायत दर्ज कराई गई। फिलहाल पुलिस दोनों आरोपियों से पूछताछ कर मामले की जांच कर रही है।

वंदे मातरम् गीत गाकर राष्ट्र विरोधियों को सबक सिखाएं- मिश्रा

हर सामूहिक आयोजनों में पहले होगा वंदे मातरम्

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● वंदे मातरम की 150 वीं जयंती वर्ष पर कांग्रेस की दो पार्षदों ने भारत माता की स्तुति के गीत राष्ट्रगीत वंदे मातरम का अपमान किया। लेकिन कांग्रेस तुष्टीकरण की नीति के चलते वंदे मातरम गीत का अपमान करने वाली दोनों पार्षदों को पार्टी से निष्कासित नहीं कर रही है। वंदे मातरम हमारी राष्ट्रीय नव चेतना का प्रतीक है। वंदे मातरमहमारी राष्ट्र भक्ति का परिचायक है।

शनिवार को भाजपा कार्यालय पर सामाजिक, व्यापारिक संगठनों की बैठक में नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा ने कहा कि वंदे मातरम इस देश की आत्मा है, इसे किसी धर्म से जोड़ना, भाषा से जोड़कर एक तरह से कांग्रेस पाप कर रही है। इसलिए भाजपा द्वारा सभी 85 वाड़ों में 85 स्थानों पर वंदे मातरम का सामुहिक मान हुआ और राष्ट्र विरोधी कांग्रेस का पुतला भी दहन किया गया। उन्होंने कहा कि देवी अहिल्या की नगरी आयोजनों की नगरी है, समाजो द्वारा कोई न कोई आयोजन किया जाता है। या कोई विशेष प्रयोजन होता है तो सबकी भागीदारी होती है, उन कार्यक्रमों में राष्ट्र गीत वंदे मातरम की शुरूवात करे। क्योंकि अहिल्या मां की नगरी में राष्ट्र गीत वंदे मातरम का अपमान हुआ है, तो सभी समाज अपने अपने सामाजिक, व्यापारिक, खेल आयोजनों में वंदे मातरम का सामूहिक गान कर इन राष्ट्र विरोधियों को सबक सिखाएं। इस अवसर पर प्रमोद टंडन ने कहा कि देश में मातृभूमि का सवर्वोच्च स्थान है, जिन लोगों ने सड़क घर वंदे मातरम का अपमान किया है उन्हें सड़क पर सबक सिखाना चाहिए। श्वेतांबर जैन समाज के जीनेश्वर जैन ने कहा कि मुख से जब वंदे मातरम निकालता है तो गौरवांवित महसूस करते हैं। हरीश नागर ने कहा हमारे समाजों के कार्यक्रमों की शुरूवात वंदे मातरम से होगी। प्रकाशवंद जैन भटेवरा ने कहा कि हम अपनी फैक्ट्रियों में नियमित वंदे मातरम का गान करवाएंगे। भारत विकास परिषद के मनीष बिसानी हमारी जितनी भी शाखा देशभर में है, उन सब में वंदे मातरम का गान होगा।

कार्यक्रम का प्रारंभ वंदे मातरम से करेंगे- धानुक समाज राजेश परिहार ने कहा कि 14 अप्रैल को सेवालाल की जयंती पर आयोजित होने वाले कार्यक्रम का प्रारंभ वंदे मातरम से करेंगे। वाल्मीकि समाज के विवेक करोसिथा ने कहा कि हमारा जिस तरह स्वच्छता के साथ साथ हर कार्य में नंबर वन है, उसी तरह वंदे मातरम में भी नंबर वन बने। जायसवाल समाज की आरती जायसवाल ने कहा की वंदे मातरम की शुरुआत हम अपने घरों से करेंगे। इस अवसर पर नगर प्रभारी राजेश सोलकी, गोपीकृष्ण नेमा, आलोक दुबे, महेश कुकरेजा, कैलाश पिपले, हरप्रीत सिंह बक्शी, राजा कोठारी सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित थे।

वंदे मातरम विवाद पर राजनीतिक सरगर्मी जारी : वार-प्रतिवार की आंच भोपाल तक पहुंची

अनुशासन समिति क्यों मौन?

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● नगर निगम के बजट सत्र में वंदे मातरम नहीं गाने को लेकर उठा विवाद अब राजनीतिक रंग ले चुका है। महापौर

पुष्यमित्र भार्गव ने रविवार को इस मुद्दे पर कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी के रुख को बेहद आपत्तिजनक बताया। महापौर ने कहा कि बजट सत्र के दौरान महिला कांग्रेस पार्षदों द्वारा राष्ट्रगीत वंदे मातरम नहीं गाना उसका अपमान है, जिससे स्वाभाविक रूप से विवाद खड़ा हुआ। उन्होंने कहा कि इस मामले में कांग्रेस नेतृत्व का रुख स्पष्ट नहीं है और यह जनता के बीच भ्रम की स्थिति पैदा करता है। भार्गव ने सवाल उठाया कि कांग्रेस की अनुशासन समिति इस मामले में क्या कार्रवाई कर रही है, क्योंकि संबंधित पार्षदों ने अलग-अलग समय पर मीडिया में बयान दिए हैं। इसके बावजूद न तो कोई ठोस निर्णय सामने आया और न ही स्थिति स्पष्ट की गई। महापौर ने यह भी कहा कि कांग्रेस को स्पष्ट करना चाहिए कि उनके कार्यालयों में वंदे मातरम गाया जाता है या नहीं। यदि गाया जाता है, तो इसे नहीं गाने वालों पर क्या कार्रवाई होती है, यह भी सार्वजनिक होना चाहिए। महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने जीतू पटवारी की प्रेस कॉन्फ्रेंस में दिए बयान ईमानदार लोग हाथ उठाएं, हम भ्रष्टाचार साबित करेंगे, पर भी तीखा पलटवार किया।

मेरा परिवार कांग्रेस के प्रति निष्ठावान

नगर निगम परिषद की बैठक में वन्दे मातरम को लेकर जो विवाद शुरु हुआ वह चार दिन से लगातार जारी है। रविवार को वार्ड 39 की पार्षद रूबीना इकबाल खान ने अपना मत जारी किया। इसमें कहा कि 8 अप्रैल को नगर निगम परिषद की बैठक हुई, उक्त बैठक में प्रशनकाल के दौरान वन्देमातरम को लेकर विवाद हुआ। उस तारीख को बैठक शुरू होते ही वन्दे मातरम का गान किया गया। राट्रीय गीत के सम्मान में जो भी मापदण्ड तय किए गए हैं उनका मैंने पालन किया।

वन्दे मातरम के सम्मान में आदर से सावधान की मुद्रा में खड़ी हुई थी और पूरा राष्ट्रीय गीत गाते समय जो नियम बनाए गए हैं उनका पालन कर रही थी। इसके लगभग आधे घंटे बाद कांग्रेस की अन्य पार्षद वहां आई और उनका कुछ पार्षदों से विवाद हुआ जिस पर उक्त कांग्रेसी पार्षद को सदन से एक दिन के लिए निष्काषित कर दिया गया और वह वहां से चली गई। मैं वहां मुस्लिम पार्षद के रूप में अकेली पार्षद थी तभी वहां मौजूद भाजपा के कुछ पार्षदों ने मुझे देखकर आपत्तिजनक नारे लगाए और मेरी तरफ इशारा करके एक वर्ग विशेष के संबंध में मुझे उत्तेजित करने की नियत से जातिसूचक नारे लगाए। इस दौरान मैं गुस्से में आकर विचलित हो गई, और मैंने पुरजोर विरोध किया।

हम तो उनसे वोट नहीं मांगते

इंदौर के वंदेमातरम विवाद को लेकर पूरे मप्र में हड़कंप मचा हुआ है। बीजेपी और कांग्रेस के बीच राजनीतिक तलवारें खिंची हुई है। कांग्रेस पार्षद फौजिया शेख अलीम का यह कहना कि मैं वंदेमातरन नहीं गाउंगी और फिर पार्षद रुबीना का कहना कि किसी के बाप में हिम्मत नहीं जो जबरदस्ती वंदेमातरम बुलवा सके ने पार्टी को मुश्किल में डाल दिया है। अब इस पर पूर्व महापौर व विधायक मालिनी गौड़ का बयान आया है।

विधायक मालिनी गौड़ ने ने कहा कि- जो इस देश में रहेगा उसे वंदेमातरम और भारत माता की जय बोलना पड़ेगा। जैसे लखन दादा (स्वर्गीय पूर्व विधायक और मंत्री) कहते थे मैं भी कहती हूं कि मुझे उन लोगों के वोट नहीं चाहिए जो वंदेमातरम नहीं बोलते या भारत माता की जय नहीं बोलते हैं। और हम तो उन क्षेत्र में वोट मांगने भी नहीं जाते हैं। विधानसभा चार जहां से मालिनी गौड़ लगातार चौथी बार की विधायक है उसे अयोध्या कहा जाता है। यहां से बीजेपी की बंपर जीत होती है। साल 1990 में कैलाश विजयवर्गीय यहां से जीते थे और फिर 1993 में लक्ष्मण सिंह गौड़ बंपर वोट से जीतकर पहली बार विधायक बने। गौड़ लगातार 1993, 1998, 2003 में जीते और फिर मंत्री भी बने।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक : **अक्षय तिवारी** द्वारा मेसर्स डी.बी. कार्प लिमि. 44-45/ए, 50-51/ए, सेक्टर एफ इंडस्ट्रीयल एरिया, सांवेर रोड़, इंदौर (मप्र)- 452008 से मुद्रित एवं 5/6, नार्थ राजमोहल्ला (गुरूद्वारे के सामने), इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। **आरएनआई - एमपीएचआईएन/2021/81650**
सभी विवादों के लिए न्याय क्षेत्र केवल इंदौर रहेगा। समाचार पत्र में व्यक्तिगत नाम से प्रकाशित खबर एवं आलेख के लिए वे स्वयं जिम्मेदार होंगे।